page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/5/2025 1:42 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 डीआइजी जम्मू ने बाडी ब्राह्मणा में विंटर कार्निवल-2025 का उद्घाटन किया

5 दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ-टी 20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित, हार्दिक पांड्या की वापसी

8 प्लग ट्रे पौध उत्पादन प्रौद्योगिकी

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-298 | जम्मू तवी, शुक्रवार 05 दिसम्बर, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

भारत-पाक युद्धविराम में अमेरिकी राष्ट्रपति की कोई भूमिका नहीं: सरकार

नई दिल्ली, 4 दिसंबर। केंद्र सरकार ने गुरुवार को संसद को अवगत कराया कि इस वर्ष मई में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम में संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भूमिका नहीं थी। सरकार ने स्पष्ट किया कि संघर्ष विराम का समझौता दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों के बीच सीधे वार्ता के माध्यम से हुआ।

'ऑपरेशन सिंदूर'

राज्यसभा में दिए एक लिखित उत्तर में विदेश राज्य मंत्री किर्ती वर्धन सिंह ने कहा कि यह घटनाक्रम 22 अप्रैल को पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकियों द्वारा किए गए आतंकी हमले के बाद भारत की कूटनीतिक और सैन्य प्रतिक्रिया के परिणामस्वरूप सामने आया। उन्होंने बताया, भारत ने नागरिकों पर हुए हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। हमारी सशस्त्र सेनाओं ने सीमा पार स्थित आतंकवादी ढांचे को निशाना बनाया।

मंत्री ने कहा कि 10 मई 2025 को पाकिस्तान के DGMO ने भारतीय DGMO से संपर्क कर नियंत्रण रेखा (LoC) पर फायरिंग और सैन्य गतिविधियाँ रोकने का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव उसी दिन स्वीकार कर लिया गया, जिसके बाद वर्तमान युद्धविराम समझ बनी। अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने कहा कि युद्धविराम प्रक्रिया या दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कोई भागीदारी नहीं थी। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में सरकार ने बताया कि 8 मई 2025 को एक सर्वदलीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें राजनीतिक नेतृत्व को ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित घटनाक्रमों की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, संसदीय स्थायी समिति (विदेश मामलों) के सदस्यों तथा विदेश यात्राओं से जुड़े सांसदों को भी बाद में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

सरकारी उत्तर में यह भी उल्लेख किया गया कि युद्धविराम की यह समझ भारत की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का मुकाबला करना और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर प्रमुख राजनीतिक हितधारकों को निरंतर जानकारी में रखना है।

दूरदराज क्षेत्रों में आधुनिक लैब्स और बेहतर डायग्नोस्टिक सुविधा की जरूरत : एलजी सिन्हा

जम्मू तवी, 04 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुरुवार को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू में आयोजित एपीकॉन 2025—इंडियन एसोसिएशन ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स एंड माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स तथा इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ पैथोलॉजिस्ट्स-इंडियन डिवीजन के 73वें वार्षिक अधिवेशन—के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया।

पाँच दिवसीय यह सम्मेलन पैथोलॉजी में उभरते रुझान- मॉर्फोलॉजी से आणविक समझ तक विषय पर केंद्रित है, जिसमें देशभर के प्रमुख पैथोलॉजिस्ट और माइक्रोबायोलॉजिस्ट नवीनतम शोध, नवाचारों और भविष्य की दिशा पर चर्चा के लिए एकत्र हुए हैं। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने निदान प्रक्रियाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा एनालिसिस को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे जांच अधिक सटीक होगी, परिणामों में तेजी आएगी और विज्ञान तथा क्लिनिकल मेडिसिन के बीच समन्वय मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य तंत्र को विशेष रूप से जीवन-घातक बीमारियों के मामलों में निदान की सटीकता बढ़ाने और उपचार समय को कम करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्नत डायग्नोस्टिक परीक्षणों के माध्यम से प्रिसिजन मेडिसिन को मुख्यधारा में लाने के लिए आवश्यक है कि प्रयोगशालाएँ आधुनिक अवसंरचना विकसित करें ताकि डेटा को चिकित्सकों के लिए उपयोगी नैदानिक जानकारी में बदला जा सके। उपराज्यपाल ने सार्वजनिक स्वास्थ्य को मजबूत करने की रणनीतियों पर बोलते हुए पैथोलॉजी क्षेत्र को अत्याधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने तथा बहु-विषयक शोध के जरिए मानक उपचार प्रोटोकॉल विकसित

करने पर जोर दिया। उन्होंने मेडिकल शिक्षा में मौजूद कमियों की पहचान कर नए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का स्वास्थ्य क्षेत्र ऐतिहासिक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। उपराज्यपाल ने सभी हितधारकों से डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (ABHA) सेवाओं को दूर-दराज के इलाकों तक विस्तारित करने और छोटे स्वास्थ्य केंद्रों को बड़े लैब्स से विशेषज्ञ मार्गदर्शन के लिए जोड़ने की अपील की।आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण करना और सभी के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना हमारा लक्ष्य है, एलजी सिन्हा ने कहा। उन्होंने सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के सभी भागीदारों से आग्रह किया कि वे मिलकर दूरस्थ क्षेत्रों में समर्पित डायग्नोस्टिक सुविधाएँ स्थापित करें तथा इन क्षेत्रों में निदान और उपचार के बीच समयांतर को कम करने में योगदान दें।

खबर संक्षेप

सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा में ग्राम रक्षा रक्षकों को सुरक्षा का पहला स्तर बताया

जम्मू,4 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने आज और उनसे दुश्मन के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए सतर्क, अनुशासित और सुरक्षा तंत्र के साथ पूरी तरह से जुड़े रहने का आग्रह किया। डीजीपी ने ये बातें आर.एस.पुरा और अरनिया सेक्टरों के वीडीजी सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान कहीं जिसके बाद सीमा पुलिस चौकी चकरोही और पुलिस स्टेशन आर.एस.पुरा में विस्तृत सुरक्षा समीक्षा की गई

इस बातचीत में 110 वीडीजी सदस्यों ने भाग लिया जहाँ जम्मू-कश्मीर पुलिस और बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनकी चिंताओं को सुना और समय पर समाधान का आश्वासन दिया!

बैठकों के दौरान डीजीपी ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सीमा पर सुरक्षा परिदृश्य लगातार विकसित हो रहा है और दुश्मन द्वारा ड्रोन गिराने सुरंग बनाने के प्रयास और नदी के रास्ते घुसपैठ जैसे खतरों का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है ।

ज़ोजिला दर्रा शून्य से नीचे 17.0 डिग्री के साथ घाटी का सबसे ठंडा स्थान

श्रीनगर, 4 दिसंबर । कश्मीर में कड़ाके की ठंड पड़ रही है क्योंकि बुधवार रात पूरी घाटी में तापमान जमाव बिंदु से और नीचे चला गया। एक स्थानीय मौसम निगरानी एजेंसी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ज़ोजिला दर्रा शून्य से नीचे 17.0 डिग्री सेल्सियस के साथ कश्मीर घाटी का सबसे ठंडा स्थान रहा।

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के इकट्ठा किए गए डेटा के अनुसार श्रीनगर में हाड़ कंपा देने वाला न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो अब तक के मौसम की सबसे ठंडी रातों में से एक थी। काज़ीगुंड में शून्य से नीचे 3.6 डिग्री सेल्सियसदर्ज किया गया जबकि प्रसिद्ध पर्यटक स्थल पहलगाम में शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस पर ठंड जारी रही। घाटी के दूसरे स्टेशनों पर भी न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे रहा, कुपवाड़ा में शून्य से नीचे 3.2 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में शून्य से नीचे 0.8 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में शून्य से नीचे 1.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आस-पास और दक्षिण कश्मीर के इलाकों में तापमान और भी कम रहा। पंपोर में शून्य से नीचे 5.0 डिग्री सेल्सियस, श्रीनगर एयरपोर्ट में शून्य से नीचे 4.6 डिग्री सेल्सियस और अवंतीपोरा में शून्य से नीचे 4.0 डिग्री सेल्सियस तक तापमान गिरा। बडगाम में शून्य से नीचे 4.2 डिग्री सेल्सियस जबकि अनंतनाग, बारामूला और ज़ेथन राफियाबाद में क्रमशः शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस, शून्य से नीचे 4.8 डिग्री सेल्सियस और शून्य से नीचे 4.6 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। पुलवामा और शोपियां शून्य से नीचे 5.6 डिग्री सेल्सियस और शून्य से नीचे 5.3 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडे इलाकों में रहे जबकि बांदीपोरा में शून्य से नीचे 3.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

डुल्लू ने एमएनआरई योजना के तहत जम्मू-कश्मीर में बड़े पैमाने पर सौर पार्क के प्रस्ताव की समीक्षा की

जम्मू, 04 दिसंबर । मुख्य सचिव, अटल डुल्लू ने आज नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) सोलर पार्क योजना के तहत जम्मू और कश्मीर में बड़े पैमाने पर सोलर पार्क स्थापित करने की व्यवहार्यता की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए संभागीय प्रशासन को परियोजना के लिए उपयुक्त, बाधा-मुक्त भूमि पार्सल की पहचान में तेजी लाने का निर्देश दिया। बैठक में आयुक्त सचिव, वन; सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी; संभागीय आयुक्त, जम्मू/कश्मीर; प्रबंध निदेशक, जेकेपीडीसी; और अन्य वरिष्ठ अधिकारी जिलेवार समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने बड़े पैमाने पर भूमि पैच की पहचान करने के महत्व पर जोर दिया जो अन्य विकासात्मक कार्यों के लिए निर्धारित नहीं हैं और जिन्हें यूटी में स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे की स्थापना के लिए तेजी से

स्थानांतरित किया जा सकता है। मुख्य सचिव ने अब तक हासिल की गई प्रगति और पहल को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक तौर-तरीके तैयार करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जम्मू-कश्मीर के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को मजबूत करने और पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने के लिए बड़े पैमाने पर सौर ऊर्जा का दोहन महत्वपूर्ण है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सचिव डॉ. शाहिद इकबाल चौधरी ने बैठक को एमएनआरई सोलर पार्क योजना की रूपरेखा के बारे में जानकारी दी और राजस्थान, कर्नाटक और मध्य प्रदेश में लागू किए गए सफल मॉडलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि योजना के तहत, एमएनआरई बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ग्रिड कनेक्टिविटी सहित प्रति मेगावाट 20 लाख रुपये या परियोजना लागत का 30% तक केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है इसके अलावा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की तैयारी के लिए प्रति सौर पार्क 25 लाख रुपये तक प्रदान करता है।

मेरिट कोटा 10 प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए उपराज्यपाल को भेजा: मुख्यमंत्री

जम्मू, 04 दिसंबर । कैबिनेट द्वारा ईडब्ल्यूएस और आरबीए श्रेणियों में कोटा कम करके ओपन मेरिट कोटा 10 प्रतिशत बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज कहा कि फ़ाइल पर हस्ताक्षर कर दिए गए है और उसे मंजूरी के लिए उपराज्यपाल के पास भेज दिया गया है और सरकार जल्द ही औपचारिक आदेश जारी करने की उम्मीद करती है

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि फ़ाइल पर कल हस्ताक्षर कर दिए गए और उसे समीक्षा के लिए उपराज्यपाल के पास भेज दिया गया आरक्षण रिपोर्ट की स्थिति के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि वह इसे मंजूरी दे देंगे और उसके बाद आदेश जारी किया जाएगा

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने सेवाकाल में दिवंगत हुए सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को पुनर्वास सहायता योजना जिसे पहले एसआरओ-43 के नाम से जाना जाता था के तहत नियुक्ति आदेश जारी किए हैं

उन्होंने बताया कि कश्मीर प्रांत से लगभग 60 मामलों के लिए बुधवार को औपचारिक आदेश जारी किए गए जबकि जम्मू में एक दिन पहले इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई गई थी यह योजना यह सुनिश्चित करती है कि मृतक सरकारी कर्मचारी के परिवार के एक सदस्य को संकट से निपटने में मदद के लिए सरकारी नौकरी दी जाए मुख्यमंत्री ने कहा कि आदेशों में कुछ प्रक्रियागत मुद्दे हैं जिन्हें वे जल्द ही सुलझा लेंगे

मुख्यमंत्री उमर अग्निवीर बैच की पासिंग आउट परेड में पास आउट जवानों को लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट का हिस्सा बनने पर बधाई दी

जम्मू,04 दिसंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला गुरुवार को श्रीनगर स्थित जम्मूकश्मीर लाइट इन्फैंट्री (जेएकेएलआई) रेजिमेंटल सेंटर में अग्निवीर बैच-06 की पासिंग आउट परेड में शामिल हुए, जहाँ उन्होंने युवा सैनिकों को 31 सप्ताह के कठोर प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी। उन्होंने राष्ट्र की सेवा

में उनके विशिष्ट और सम्मानजनक जीवन की कामना की। इस अवसर पर अग्निवीरों और रंगरूटों को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा इस शुभ अवसर पर, मैं सभी अग्निवीरों और रंगरूटों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ क्योंकि आप 31 सप्ताह की कठिन परीक्षा और कठोर प्रशिक्षण पास करने के बाद जम्मू और कश्मीर लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सदस्य बनने जा रहे हैं।

विधायक मेहराज मलिक की अगली सुनवाई 18 दिसंबर को

जम्मू, 04 दिसंबर । विधायक मेहराज मलिक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका जम्मू स्थित जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति मोहम्मद यूसुफ वानी के समक्ष सूचीबद्ध की गई। मामले की सुनवाई में वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंत, अधिवक्ता एसएस अहमद, अधिवक्ता एम इकबाल खान, अधिवक्ता अप्पू सिंह सलाथिया और अधिवक्ता एम जुलकरनैन चैधरी ने जोरदार ढंग से दलील दी कि बंदी की हिरासत अवैध है और कानून की नजर में गलत है। इसके अलावा मामले पर पहले भाग में लगभग तीन घंटे तक लंबी बहस हुई। बंदी का पक्ष रखते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल पंत ने हिरासत के आधारों की कड़ी आलोचना की और हिरासत प्राधिकारी की कार्रवाई को बर्बर, अनुचित प्रशासनिक जागीरदारी और जनता के एक निर्वाचित प्रतिनिधि की असहमति की आवाज को दबाने का प्रयास बताया। इसके अलावा सरकार की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील सेठी और वरिष्ठ एएजी मोनिका कोहली ने दो नए आवेदन और एक पूरक हलफनामा दायर किया है। अदालत ने मामले की आंशिक सुनवाई के रूप में विस्तार से सुनवाई की है और अब इसे 18 दिसंबर 2025 को बहस जारी रखने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

जम्मू-कश्मीर में सीमा पार से जुड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़, 30 करोड़ रुपये की 5 किलो हेरोइन के साथ 6 लोग गिरफ्तार

जम्मू, 4 दिसंबर । पुलिस ने गुरुवार को दावा किया कि उसने छह लोगों को गिरफ्तार करके और तीन पिस्तौल के साथ लगभग पांच किलोग्राम हेरोइन बरामद करके सीमा पार से नारकोटिक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है।

अधिकारियों ने बताया कि जब्त की गई ड्रग की कीमत इंटरनेशनल मार्केट में 30 करोड़ रुपये से ज्यादा है। पुलिस अधीक्षक अजय शर्मा ने जम्मू में रिपोर्टरों को बताया कि जम्मू में एक बड़े नारकोटिक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है। छह सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। उनमें से चार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उनके पास से 4.95 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। इसके अलावा तीन पिस्तौल भी बरामद की गईं। एसपी ने कहा कि आरोपी नार्को-टेररिज्म के तहत

सीमा पार से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि जब हमने उनके डिजिटल फुटप्रिंट चेक किए तो हमें पता चला कि वे इस देश की अगली पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए नारकोटिक्स और ड्रग्स की सप्लाई करने वाले पाकिस्तानी हैंडलर्स से सीमा पार से जुड़े हुए थे।

शर्मा ने कहा कि वे देश के खिलाफ एक अलग तरह की लड़ाई को आगे बढ़ाना चाहते थे। उन्होंने कहा कि हमने यूएपीए की संबंधित धाराएं भी लगाई हैं। यह नार्को-टेररिज्म का एक साफ मामला है जिसे जम्मू पुलिस साउथ ज़ोन ने सफलतापूर्वक पकड़ लिया है। गांधी नगर पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

एसपी ने कहा कि जांच के दौरान जौडियां के करण शर्मा और उधमपुर के निखलेश वर्मा को 3.26 किलोग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया। बाद में पुलिस ने नरवाल (जम्मू) में मोहम्मद यूसुफ, राजौरी के फाइनेंशियल हैंडलर गुलशन कुमार और नौशेरा के जसविंदर कुमार को गिरफ्तार किया और उनके पास से और हेरोइन बरामद की। एसपी ने कहा कि गुलशन की गाड़ी जब्त कर ली गई और पाया गया कि उसे नारकोटिक्स की तस्करी के लिए कैविटी के साथ मॉडिफाई किया गया था।

सुनील शर्मा ने एलजी सिन्हा से मुलाकात की, उम्मीदवारों की आयु में छूट की प्रमुख मांग उठाई

जम्मू, 4 दिसंबर । विपक्ष के नेता सुनील शर्मा ने आज जम्मू और कश्मीर में संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए आयु में छूट की लंबे समय से लंबित मांग को जोरदार ढंग से उठाने के लिए लोक भवन, जम्मू में उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से मुलाकात की।

शर्मा ने बताया कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थी और प्रतिनिधिमंडल विभिन्न भर्ती प्रक्रियाओं में ऊपरी आयु में छूट के मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग को लेकर कई हफ्तों से उनसे संपर्क कर रहे हैं। उन्होंने एलजी को सूचित किया कि कई उम्मीदवारों ने भी अपनी चिंताओं को मेल किया है, जिसमें आयु प्रतिबंध और भर्ती चक्र में बार-बार होने वाली देरी के कारण उन्हें होने वाली कठिनाइयों पर प्रकाश डाला गया है।

बैठक के दौरान सुनील शर्मा ने युवाओं की सामूहिक चिंताओं को प्रस्तुत किया और एलजी से हजारों उम्मीदवारों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए आयु में छूट देने पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आग्रह किया। उपराज्यपाल ने मामले को धैर्यपूर्वक सुना। शर्मा ने आशा व्यक्त की कि प्रशासन योग्य उम्मीदवारों के भविष्य की सुरक्षा के लिए सकारात्मक निर्णय लेगा। उन्होंने युवाओं को आश्वासन दिया कि अनुकूल परिणाम प्राप्त होने तक वह इस मुद्दे पर नज़र रखना जारी रखेंगे

डीजीपी ने उधमपुर पहाड़ियों में सुरक्षा स्थिति, चल रहे ऑपरेशन की समीक्षा की

जम्मू, 04 दिसंबर । जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात ने गुरुवार को उधमपुर जिले का दौरा किया और पहाड़ी क्षेत्र में चल रहे अभियानों और समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रभात जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों में सुरक्षा स्थिति, परिचालन तैयारियों और आतंकवाद विरोधी अभियानों की समीक्षा करने के लिए भीतरी इलाकों और सीमावर्ती क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर पुलिस और सुरक्षा बलों तक पहुंच रहे हैं। डीजीपी ने चल रहे अभियानों की समीक्षा के लिए बसंतगढ़ क्षेत्र का दौरा किया। एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने सभी बलों के अधिकारियों के साथ एक संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की जिसमें परिचालन तैयारियों, समन्वय और समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की गई।उनके साथ जम्मू जोन के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी, आईजी सीआरपीएफ गोपाल राव, एसएसपी उधमपुर आमोद नागपुरे और सीआरपीएफ और सेना के अधिकारी भी थे।सेना.विज्ञापनडीजीपी ने फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) के कर्मियों के साथ बातचीत की, कठिन परिस्थितियों में उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की और उनसे स्थानीय आबादी की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए सतर्क रहने का आग्रह किया। उन्होंने जनता का विश्वास बढ़ाने के लिए मजबूत सामुदायिक जुड़ाव, बेहतर पहुंच और त्वरित शिकायत निवारण पर जोर दिया

उपायुक्त ने महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों को मशरूम की खेती पर प्रशिक्षण के लिए रवाना किया

जम्मू,04 दिसंबर। महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों का एक समूह गुरुवार को कृषि विभाग द्वारा एचएडीपी परियोजना संख्या 10 के अंतर्गत प्रायोजित एक दिवसीय अंतर-राज्यीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए रवाना हुआ। क्षमता निर्माण पहल के रूप में तैयार किए गए इस प्रशिक्षण का उद्देश्य महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों के कौशल को बढ़ाना, उन्हें स्थायी आय सृजन प्रथाओं से परिचित कराना और जिले में मशरूम की खेती को एक लाभदायक और व्यापक कृषि उद्यम के रूप में बढ़ावा देना है। उपायुक्त पंकज शर्मा ने स्वयं सहायता समूहों

(एसएचजी) के सदस्यों के समूह को रवाना किया। उन्होंने आने वाली महिलाओं को प्रशिक्षण का पूरा लाभ उठाने की सलाह दी क्योंकि ऐसी पहल ग्रामीण महिलाओं की आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए उपयुक्त रूप से तैयार की गई हैं। मुख्य कृषि अधिकारी कुशल चंदेल ने मशरूम की खेती की उच्च बाजार मांग, न्यूनतम निवेश आवश्यकताओं और साल भर चलने की व्यवहार्यता पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रतिभागियों से वैज्ञानिक खेती के तरीकों को सीखने का आग्रह किया और विभाग की ओर से पूर्ण तकनीकी सहायता का आश्वासन दिया।

कैसे होती है बर्फबारी

बच्चों, कुछ दिन पहले ही यूरोप और एशिया के कई देशों के पहाड़ी इलाकों में बड़े पैमाने पर बर्फबारी हुई थी। अभी भी उसका असर साफ देखा जा सकता है। लेकिन ये बर्फबारी होती कैसे है? आकाश में बर्फ कैसे बनती है और नीचे क्यों गिरती है?

दोस्तों, तुम जानते होगे कि हमारी धरती पर जल एक लगातार चक्र में चलता है। सूरज की गर्मी से नदियों, तालाबों, झीलों से जल भाप बनकर उड़ जाता है और वातावरण में पहुंच जाता है। जब इस तरह के बहुत सारे वाष्प कण इकट्ठे हो जाते हैं तो वे बादल का रूप ले लेते हैं। जब ये बादल आपस में टकराते हैं तो बारिश होती है। लेकिन जब ये बादल वातावरण में अधिक ऊपर चले जाते हैं तो वहां का तापमान बहुत कम हो जाता है और वातावरण बहुत ठंडा हो जाता है। बादल का तापमान बहुत नीचे पहुंचने पर, बादलों में मौजूद वाष्प कण नन्हे-नन्हे बर्फ कणों में बदल जाते हैं। हवा इन बर्फ कणों का वजन सहन नहीं कर पाती और ये कण बादल से नीचे की ओर गिरने लगते हैं। जब वो गिरते हैं तो एक-दूसरे से टकरा कर जुड़ने लगते हैं। इस तरह इनका आकार बड़ा होने लगता है। जब ये कण हमारी पृथ्वी पर गिरते हैं तो हम उसे बर्फबारी कहते हैं।

अब तुम यह कह सकते हो कि बर्फ दरअसल जमा हुआ पानी है। बर्फबारी में धरती पर अकसर बर्फ की सफेद चादर-सी बिछ जाती है। गिरती हुई यह बर्फ हमेशा नर्म नहीं होती है। यह बर्फ गिरते हुए एक जगह इकट्ठी न गिरकर हवा के साथ इधर-उधर फैल जाती है, इसलिए यह कहीं बहुत ज्यादा और कहीं बहुत कम गिरती है। कभी यह छोटे-छोटे पत्थर के रूप में, तो कभी बारिश के साथ गिरने वाले सख्त बर्फ यानी ओलों के रूप में भी गिरती है। बर्फ चाहे जिस रूप में भी गिरे, जहां यह गिरती हैं वहां का तापमान काफी गिर जाता है। आसपास के इलाके भी सर्द हवाओं की चपेट में आ जाते हैं।

अब तुम्हारे मन में यह सवाल जरूर उठ रहा होगा कि यह बर्फबारी पहाड़ी इलाकों में ही क्यों होती है?

बर्फ उन स्थानों पर अधिक गिरती है जो इलाके या तो समुद्र से काफी ऊपर होते हैं या फिर ऊंचाई पर होते हैं। वातावरण में बर्फ काफी अधिक बनती है, जिसका एक छोटा हिस्सा ही नीचे पहाड़ों पर गिरता है। बाकी हिस्सा बारिश के रूप में नीचे आता है।

अब तुम सोच रहे होगे कि बर्फ बनती और नीचे बारिश गिरती है, वो कैसे? वातावरण में मौजूद ओजोन की गर्म परतों के बीच से जब बर्फ के कण गुजरते हैं तो यह बर्फ पिघल जाती है और बारिश के पानी में बदल जाती है, जबकि ऊंचे पहाड़ों में तापमान पहले से ही शून्य डिग्री से काफी कम होता है, इसलिए वहां पर बर्फबारी होती है।

क्या होता है फायदा

पहाड़ों पर गिरी यह बर्फ गर्मियों में सूरज की तपिश से पिघलकर नदियों में पानी की आपूर्ति करती है, जिसे खेती-बाड़ी, बिजली बनाने और अन्य कामों के लिए उपयोग किया जाता है।

आओ चलें बर्फ की दुनिया में

चीन के सबसे सर्द शहर हार्बिन में एक स्नो शो मनाया जा रहा है, जहां का तामपान-20 डिग्री सेल्सियस होता है। यह स्थान चीन की सोंधुआ नदी के किनारे स्थित है। इस स्नो शो की शुरुआत 5 जनवरी को हुई थी। यह पूरा स्थान 150 एकड़ में फैला है। यह शो रात में बहुत ही आकर्षक दिखता है। बर्फ की पूरी बिल्डिंग बनाई गयी है। यह पारंपरिक तरीके से सजाया गया है।

हाई तकनीक बीम लाइट की मदद से रोशनी की गई है, जो रात में खास लगती है। इस फेस्टिवल की नींव 1963 में रखी गई थी। चीन का हार्बिन इंटरनेशनल आइस एंड स्नो शो हर साल दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। यह शो पिछले 30 सालों से हर साल मनाया जा रहा है। इस साल बर्फ की

पहाड़ों में बर्फबारी देखकर सभी का मन वहां जाकर बर्फ की बॉल बनाकर खेलने को करता है। चूंकि यह बर्फ कुछ दिन रहती है, इसलिए कुछ लोग जा पाते होंगे तो कुछ नहीं। लेकिन आज हम विश्व के सबसे बड़े, आकर्षक और एक महीने चलने वाले स्नो शो के बारे में बताने जा रहे हैं।

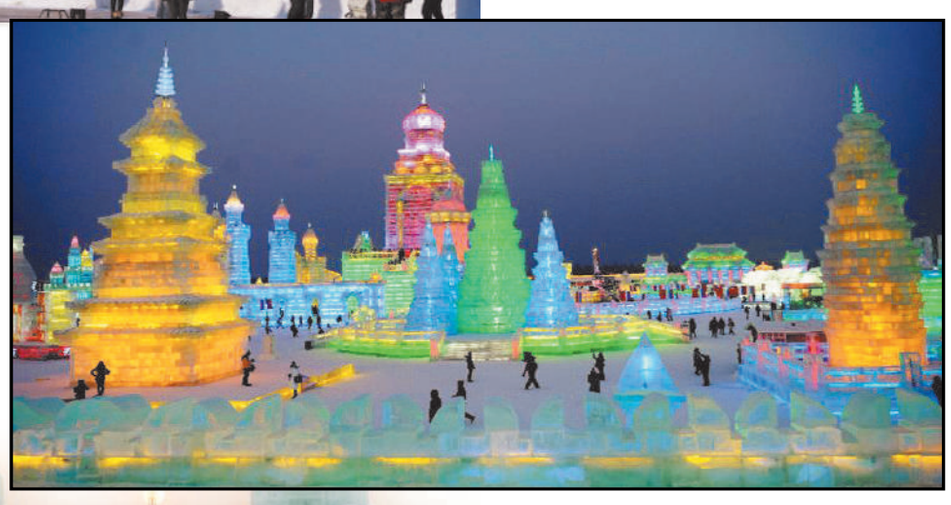

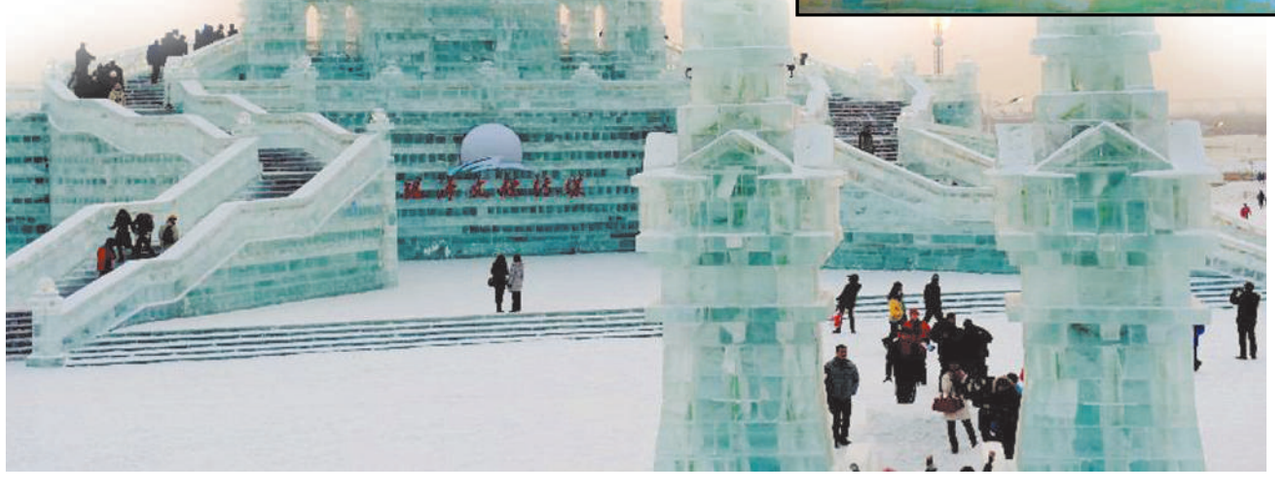

इस दुनिया को बनाने में करीब 15000 मजदूरों ने अपना योगदान दिया है। इस साल इस फेस्टिवल की थीम रखी गई है, ग्लोबल आइस एंड स्नो ड्रीम, वर्ल्ड कार्टून टूर। मतलब तुम बच्चों की कार्टून की दुनिया को यहां हकीकत में बदलने की कोशिश की गई है। एक महीने तक चलने वाले इस फेस्टिवल को अब तक करीब 10 लाख लोग देख चुके हैं। यहां आने वाले पर्यटक हॉट एयर बैलून, बर्फ के स्टैचू, आइस स्विमिंग के अलावा अन्य खेलों का आनंद भी ले सकते हैं।

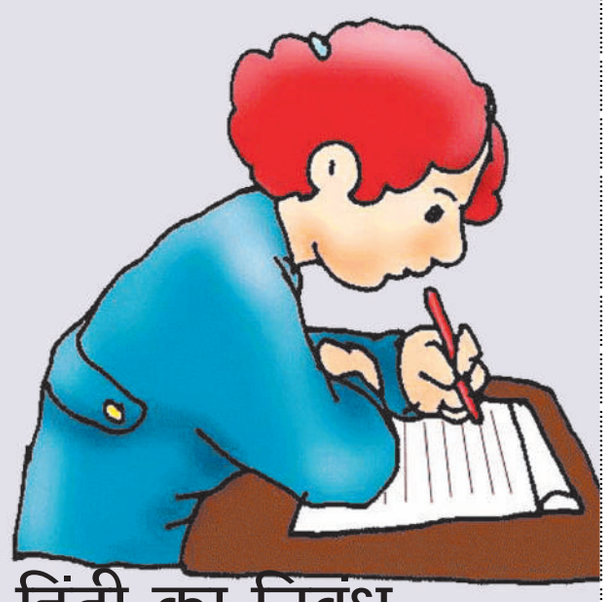

हिंदी का निबंध ऐसे लिखो...

हिंदी में निबंध याद करना तुम्हें कुछ कठिन लगता होगा ना। इतना बड़ा निबंध याद करते-करते थक जाते होगे। अगर खुद लिखना पड़ जाए तो नानी याद आ जाती है। समझ ही नहीं आता कि क्या लिखें, कितना लिखें। चलो आज हम तुम्हें बताते हैं कि इसे कैसे लिखना चाहिए। पहले ये समझ लो कि अच्छे निबंध के गुण क्या-क्या होते हैं

बंधे हों वाक्य

निबंध का अर्थ है बंधा हुआ। निबंध की पहली विशेषता है कि निबंध एक सूत्र में बंधा होना चाहिए। एक क्रम में लिखा होना चाहिए। कोई बात कहीं भी नहीं लिखनी चाहिए। आलतू-फालतू बातों का निबंध में कोई स्थान नहीं होता।

ज्यादा बड़ा न हो

तुम हमेशा यह सोचते हो कि निबंध का अर्थ है 4-5 पेज का लम्बा-चौड़ा। लेकिन ऐसा नहीं है, अगर सटीक, सही बातों को लिखा हो तो वो भी निबंध कहलाता है। निबंध छोटा होना चाहिए।

भाषा

यह निबंध की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। निबंध की भाषा सरल, सहज, सटीक होनी चाहिए। शब्दों का प्रयोग अच्छा होना चाहिए। व्याकरण का प्रयोग भी सही होना चाहिए।

ऐसे लिख डालो

भूमिका

सबसे पहले आती है भूमिका, अर्थात निबंध के विषय के बारे में लिखने से पहले तुम निबंध के विषय से संबंधित भूमिका बांधो। परंतु यह अधिक लम्बी नहीं होनी चाहिए, नहीं तो बोरिंग हो जाती है।

विषय से संबंधित

जब कोई निबंध लिखना हो तो रफ लिख लेना चाहिए कि पहले क्या बताना है, फिर प्वाइंट बना लो, इसके बाद उन्हें पैराग्राफ में लिखो।

उपसंहार

इसमें निबंध का निष्कर्ष होता है, अर्थात इस विषय से तुम क्या सोचते हो, यह लिख डालो।

रटो नहीं, समझकर करो तैयारी

बच्चों, ये सच है कि जिस भी विषय को रटकर याद करते हो, वह ज्यादा दिन तक तुम्हारा साथ नहीं देता। इसलिए विषय को समझ कर पढ़ने की आवश्यकता है। वैसे भी अब तुम्हारी परीक्षा पास है। ऐसे में तनाव होना स्वाभाविक है। इस तनाव को दूर करने का एक ही तरीका है, विषय को रटने की बजाए उसे समझकर याद करो। वह विषय चाहे लैंग्वेज हो या साइंस या फिर मैथ्स, हर विषय के साथ तुम इसे आजमा सकते हो। समझने से अर्थ यह है कि विषय को जिसे तुम तैयार करना चाहते हो, उसे स्टेप बाई स्टेप पढ़ो, फिर लिखकर अभ्यास करने से वह विषय पूरी तरह से तुम्हारे साथ हो जाता है। परीक्षा के बाद भी तुम उसे नहीं भूलते। यही तो कमाल की बात है, जो तुम्हें रटने में नहीं मिलता, क्योंकि रटी हुई चीजें जिस रफ्तार से याद होती हैं, उसी तेजी से वह हमारी स्मृतियों से गायब भी हो जाती हैं। मान लो तुम्हें अंग्रेजी या हिन्दी की तैयारी करनी है तो तुम उसके शब्दों, अर्थों, वाक्यांशों को टुकड़ों में करके याद करो। दुबारा उन्हें लिखकर देखो कि उनमें से कितनी चीजें याद हुईं। जहां भी गलती हुई उसे दुबारा लिखकर अभ्यास करने से हिन्दी या अंग्रेजी के मैटर तुम्हें याद हो जाएंगे। पाठ के अंत में दिए गए सवालों को पढ़कर उत्तर देने होते हैं ऐसे में मूल पाठ को ठीक से पढ़ना चाहिए। फिर उनके उत्तर उन्हीं वाक्यांशों में ढूंढ़ना चाहिए। जो शब्द समझ में नहीं आते हों उन्हें या तो डिक्शनरी में देखो या फिर अपने टीचर से उनका अर्थ पूछ लो। रटने से हमेशा बचना चाहिए, साथ ही पढ़ने-लिखने से विषय की बारीकियों को समझने में आसानी होती है। इसलिए विषय को रटो नहीं, बल्कि उसे समझकर लिखने का अभ्यास करो।

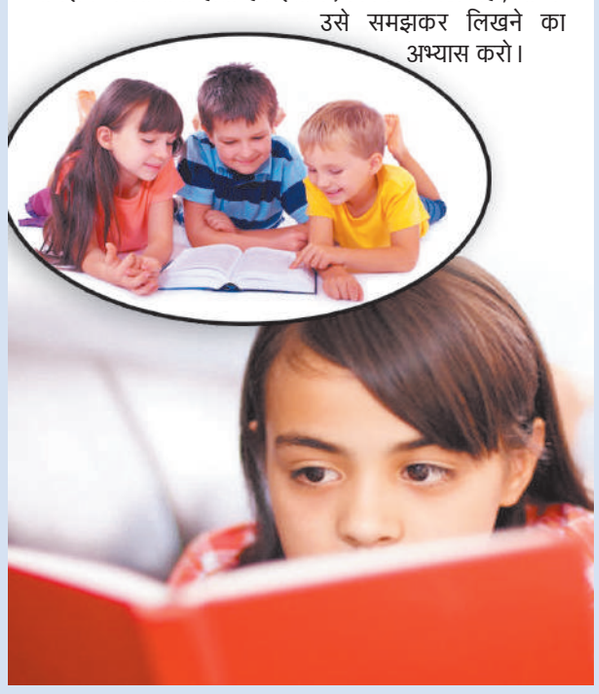

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबरः- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

प्रोफेसर जे.पी. सिंह जूरेल को प्रतिष्ठित आईएआरएस लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार मिला

जम्मू, 4 दिसंबर (हि.स.)। भारत में शिक्षण, अनुसंधान और उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास में उत्कृष्ट और निरंतर योगदान की मान्यता में प्रोफेसर जेपी सिंह जूरेल को इंडियन एसोसिएशन फॉर विश्वसनीयता एंड स्टैटिस्टिक्स (आईएआरएस) द्वारा प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा और चौधरी धर्मबीर सिंह, संसद सदस्य (लोकसभा) द्वारा, प्रोफेसर राजबीर सिंह, कुलपति, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक की गरिमामय उपस्थिति में, रोहतक में सांख्यिकीय मॉडलिंग, अनुकूलन तकनीक, डेटा विज्ञान में वैश्विक प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। यह सम्मान अकादमिक उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने, अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देश और भारत में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के विकास को आकार देने में प्रोफेसर जेपी सिंह जूरेल के कई दशकों के उल्लेखनीय योगदान का जश्न मनाता है। उन्होंने मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयनित) में फ्लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन प्रोग्राम पूरा किया है। उन्होंने मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा चयनित) में लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन प्रोग्राम (लीप) पूरा किया है। वर्तमान में वह जम्मू, जम्मू और कश्मीर विश्वविद्यालय में डीन अकादमिक मामलों और सांख्यिकी के प्रोफेसर के रूप में कार्यरत हैं।

एनसी सरकार को अपने गैर-प्रदर्शन के लिए जवाब देना होगा-विबोध

जम्मू, 4 दिसंबर (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व एमएलसी विबोध गुप्ता ने शाहदरा शरीफ में एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार की तीखी आलोचना की और कहा कि पहले वर्ष में इसके कार्यों ने लोगों को सशक्त बनाने के बजाय निराश किया है।

विबोध ने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर में जनता की धारणा गुमराह होने की गहरी भावना को दर्शाती है, क्योंकि एनसी के नेतृत्व वाली सरकार चुनाव अभियान के दौरान की गई सबसे आवश्यक प्रतिबद्धताओं को भी पूरा करने में विफल रही है।

उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि जनता से किये गये वादे सरकार की प्राथमिकता सूची से गायब हो गये हैं। विबोध ने कहा कि चाहे वह सस्ती बिजली हो, रोजगार सृजन हो या महिलाओं और युवाओं के लिए समर्थन - चुनाव के दौरान एनसी ने इतने आत्मविश्वास से जो भी वादा किया था वह अब जमीन पर कहीं दिखाई नहीं दे रहा है।

उन्होंने कहा कि एनसी का विश्वासघात प्रस्तावित बिजली दरों में बढ़ोतरी से स्पष्ट है जो चुनाव के समय मुफ्त बिजली के वादे के ठीक बाद आया है। विबोध ने टिप्पणी की कि नेशनल कॉन्फ्रेंस अभी भी युवा और दूरदर्शी जम्मू-कश्मीर की आशाओं और महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ है। उन्होंने कहा कि लोग खोखले वादों से आगे बढ़ चुके हैं और वंशवादी राजनीति के बजाय विकास और बड़े-बड़े दावों के बजाय प्रगतिशील शासन की उम्मीद करते हैं।

डीआइजी जम्मू ने बाडी ब्राह्मणा में विंटर कार्निवल-2025 का उद्घाटन किया

जम्मू, 4 दिसंबर (हि.स.)। पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी), जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज, शिव कुमार शर्मा, आईपीएस, ने गुरुवार शाम को पुरमंडल मोड़, बारी ब्राह्मणा के पास विंटर कार्निवल-2025 का उद्घाटन किया - जो मौज-मस्ती, भोजन, मौज-मस्ती और विभिन्न प्रकार की मनोरंजन गतिविधियों वाला एक जीवंत कार्यक्रम है। यह आयोजन एक मनोरंजक उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है जिसका उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करना है।

औपचारिक उद्घाटन के बाद डीआइजी ने कार्निवल मैदान का एक चक्कर लगाया जहां उन्होंने आयोजकों और स्टाल मालिकों के साथ बातचीत की, साथ ही जनता के लिए उपलब्ध विविध प्रकार की गतिविधियों, प्रदर्शनियों और मनोरंजन विकल्पों में अपनी गहरी रुचि व्यक्त की। सभा को संबोधित करते हुए, डीआइजी शिव कुमार शर्मा ने क्षेत्र में इतना व्यापक कार्निवल लाने के लिए आयोजकों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के आयोजन सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने, परिवारों को मनोरंजक विकल्प प्रदान करने और स्टॉल डिस्प्ले और फूड कोर्ट के माध्यम से स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विंटर कार्निवल-2025 जम्मू और कश्मीर में अपने अनूठे और पहली बार के आकर्षण के लिए खड़ा है। अयोजकों ने टॉवर जुल्ला, सुनामी जुल्ला और डबल डिस्क जैसी रोमांचकारी सवारी पेश की हैं, जिनसे बड़ी संख्या में भीड़ खींचने की उम्मीद है।

राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो वह अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है: मुख्यमंत्री योगी

गोरखपुर, 4 दिसंबर: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 के शुभारंभ अवसर पर स्वदेश, स्वधर्म व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जिक्र किया और कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं या कोई राष्ट्रीय चुनौती होती है तो महापुरुषों के चित्र, उनके शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते हैं। महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, गुरु गोविंद सिंह, रानी लक्ष्मीबाई समेत सीमाओं की रक्षा करते हुए बलिदान देने वाले भारत मां के बहादुर जवान देश के लिए प्रेरणा हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्र की पहचान वहां की संस्कृति, परंपराएं और महापुरुष होते हैं, यह एक-दूसरे से जुड़े हैं। राष्ट्र की संस्कृति समाप्त हो जाए तो राष्ट्र अपनी एकात्मता व पहचान को खो देता है। संस्कृति उन राष्ट्रीय मूल्यों से बनती है, जिन्हें समय-समय पर अलग-अलग युगांतकारी घटनाओं ने संबल और शक्ति दी। जिन्हें विभिन्न पर्वों के माध्यम से पूरा भारत बिना भेदभाव के आत्मसात करता है। पर्व में मतभेदों को समाप्त करके हम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की अभिव्यक्ति को प्रदर्शित करते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब भी हम संकट में होते हैं तो महापुरुषों के शौर्य व पराक्रम नई ऊर्जा देते है। महंत दिग्विजयनाथ महाराज द्वारा 1932 में गोरखपुर में स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह-2025 का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष लेफ्टिनेंट योगेंद्र डिमरी (से.नि.) ने किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले स्मृतिशेष प्रो. यूपी सिंह व अन्य दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद अगले छह वर्ष के अंदर होने वाले शताब्दी महोत्सव के कार्यक्रम के साथ बढ़ रहा है। ऐसे में शिक्षा परिषद व संस्थाओं के सामने 100 वर्षों की इस यात्रा के आत्ममंथन का अवसर है। यह समारोह इस पर आत्मावलोकन का अवसर प्रस्तुत कर रहा है कि छात्र के सर्वांगीण विकास, समाज व राष्ट्र के प्रति हमने अपनी भूमिका का निर्वहन किस रूप में किया है। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापकों ने जो विराट लक्ष्य रखा है, वह समाज व राष्ट्र के प्रति हमारी सेवाएं-कर्तव्य के समय-समय पर मूल्यांकन का भी है। हमारे संस्थापकों ने छात्र-छात्राओं के सामने महाराणा प्रताप के रूप में आदर्श रखा।

एक व्यवसायी और दो सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारियों से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल भूमि-धोखाधड़ी मामले में आरोप पत्र दायर

श्रीनगर, 4 दिसंबर (हि.स.)। क्राइम ब्रांच कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एक व्यवसायी और दो सेवानिवृत्त राजस्व अधिकारियों से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल भूमि-धोखाधड़ी मामले में आरोप पत्र दायर किया है। एक बयान में क्राइम ब्रांच जम्मू-कश्मीर की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने एफआईआर संख्या 79/2022 के मामले में धारा 420, 467, 468, 471, 120-बी आरपीसी के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 5(2) के तहत माननीय विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निरोधक, श्रीनगर की अदालत के समक्ष आरोप पत्र प्रस्तुत किया है। बयान में कहा गया है कि इन आरोपी व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है जिसमें हबीबुल्लाह भट व्यवसायी पुत्र मोहम्मद सुल्तान भट निवासी उमरहैर बुचपोरा; मोहम्मद रजब रेशी सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार पुत्र हाजी गुलाम अहमद रेशी निवासी ब्रेइन निशात; सैयद खुर्शीद अहमद उस समय के पटवारी पुत्र स्वर्गीय सैयद मोहम्मद अमीन निवासी वटलबाग लार गांदरबल शामिल हैं।यह मामला एक लिखी हुई शिकायत से शुरू हुआ जिसमें आरोप लगाया गया था कि श्रीनगर के जूनीमार ईदगाह में खसरा नंबर 467 और 468 के तहत आने वाली 10 मरला ज़मीन का एक सेल डीड के बहाने आरोपी बेनिफिशियरी के पक्ष में फर्जी म्यूटेशन किया गया था। इसके अनुसार जांच का आदेश दिया गया और जांच के दौरान पता चला कि रजिस्ट्रेशन नंबर 1693, तारीख 08.09.2003 वाली ऐसी कोई सेल डीड संबंधित सब-रजिस्ट्रार ने कभी रजिस्टर नहीं की थी। जांच में पता चला कि आरोपी हबीबुल्लाह भट ने उस समय के पटवारी सैयद खुर्शीद अहमद और नायब तहसीलदार मोहम्मद रजब रेशी के साथ मिलकर क्रिमिनल साज़िश में रेवेन्यू रिकॉर्ड में हेरफेर किया और एक ऐसी सेल डीड के आधार पर फर्जी म्यूटेशन एंट्री दर्ज की जो थी ही नहीं। बयान में कहा गया है कि अपराध करने में उनकी संलिप्तता पहली नज़र में साबित हो गई है और इसलिए चार्जशीट न्यायिक जांच के लिए जमा कर दी गई है।

हरी विहार कुंजवानी में पेवर टाइल व नालियों का निर्माण शुरू

जम्मू, 4 दिसंबर (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मंत्र को आगे बढ़ाते हुए भाजपा जम्मू-कश्मीर के महामंत्री एवं जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर बलदेव सिंह बिलावरिया ने आर.एस. पूरा—जम्मू साउथ विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 55 हरी विहार, कुंजवानी में पेवर टाइल और नालियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनता की मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बिलावरिया ने स्थानीय लोगों को आश्वस्त किया कि विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी और क्षेत्र में आवश्यक परियोजनाएँ समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएंगी।

पुलिस ने स्टंट बाइकिंग और छेड़छाड़ के खिलाफ कार्रवाई की, माता-पिता पर केस दर्ज किया गया

कुलगाम, 04 दिसंबर (हि.स.)। कुलगाम पुलिस ने सोशल मीडिया पर नाबालिग लड़कों के एक ग्रुप द्वारा स्टंट बाइकिंग और छेड़छाड़ का वीडियो वायरल होने के बाद तुरंत कार्रवाई की है।

कैमू पुलिस स्टेशन ने इसमें शामिल नाबालिगों की पहचान की और इस काम में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिलें ज़ब्त कर लीं। लड़कों की उनके परिवारों की मौजूदगी में काउंसलिंग की गई। उनके माता-पिता पर केस दर्ज किया गया और नाबालिगों को गैर-कानूनी तरीके से मोटरसाइकिल चलाने देने और पब्लिक सेफ्टी को खतरे में डालने वाले व्यवहार को बढ़ावा देने के लिए उन्हें कानूनी तौर पर मजबूर किया गया है।

विस्तृत जानकारी देते हुए एसएसपी अनायत अली चौधरी आईपीएस ने कहा कि माता-पिता को अपनी ज़िम्मेदारी समझनी चाहिए और यह पक्का करना चाहिए कि किसी भी नाबालिग को कभी भी मोटरसाइकिल या कोई भी गाड़ी न दी जाए। जब माता-पिता ऐसे बर्ताव की इजाज़त देते हैं तो वे अपने बच्चे की जान खतरे में डालते हैं और दूसरे लोगों की जान को भी खतरे में डालते हैं। स्टंट राइडिंग और ईव-टीजिंग जैसी ये हरकतें मंजूर नहीं हैं और इनसे सख्ती से निपटा जाएगा। कुलगाम पुलिस कानून तोड़ने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त एक्शन लेगी और हम पब्लिक जगहों पर डिसिप्लिन, सेफ्टी और सम्मान को बढ़ावा देने में कम्युनिटी से पूरा सहयोग चाहते हैं। कुलगाम पुलिस ने स्टंट बाइकिंग, ईव-टीजिंग, रैश ड्राइविंग और ऐसी किसी भी एक्टिविटी के खिलाफ सख्त एक्शन जारी रखने का भरोसा दिया जिससे जनता, खासकर महिलाओं और स्टूडेंट्स की सेफ्टी और इज्ज़त को खतरा हो।

ऑनलाइन धोखाधड़ी में खोए 18.87 लाख रुपये बरामद , 52 चोरी हुए फोन का पता लगाया

श्रीनगर, 04 दिसंबर (हि.स.)। साइबर पुलिस बडगाम ने बढ़ते साइबर अपराधों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है, अक्टूबर और नवंबर 2025 के दौरान अलग-अलग ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में खोए हुए 15,87,593 रुपये सफलतापूर्वक रिकवर किए हैं। यूनिट को सीआईईआर पोर्टल के ज़रिए लगभग 1.5 लाख रुपये कीमत के 52 खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन रिकवर करने के लिए भी सम्मानित किया गया।

बयान के अनुसार रिकवर की गई रकम यूपीआई धोखाधड़ी, नकली सोशल मीडिया डील, ऑनलाइन मार्केटप्लेस स्कैम, धोखाधड़ी वाले लोन ऐप, ओटीपी का गलत इस्तेमाल और फर्जी इन्वेस्टमेंट ऑफर से जुड़ी शिकायतों से जुड़ी थी।

नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान

जम्मू,4 दिसंबर (हि.स.) जम्मू पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। जम्मू साउथ की पुलिस टीमों ने संयुक्त अभियान में तीन अवैध पिस्तौल और करोड़ों रुपये मूल्य की चिट्टा बरामद की है।

सूत्रों के अनुसार एसपी साउथ अजय शर्मा के नेतृत्व में गांधीनगर पुलिस स्टेशन और सतवारी पुलिस स्टेशन की टीमों ने लगातार कार्रवाई करते हुए यह महत्वपूर्ण बरामदगी की। अधिकारियों ने बताया कि एसपी साउथ का कार्यभार संभालने के बाद से ही अजय शर्मा ने नशा माफियाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है जिसका सकारात्मक असर जमीनी स्तर पर देखने को मिल रहा है गांधीनगर थाना पुलिस ने तीन पिस्तौल समेत भारी मात्रा में चिट्टा जब्त किया जबकि सतवारी पुलिस स्टेशन की टीम ने भी अलग-अलग अभियानों में बड़ी मात्रा में चिट्टा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार जब्त किए गए चिट्टे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 से 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है

गोवंश तस्करी प्रयास विफल, 17 गोवंश बचाए गए, ट्रक जब्त

कठुआ, 04 दिसंबर (हि.स.)। जिले में गोवंश तस्करों पर शिकंजा कसते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में कठुआ पुलिस ने हीरानगर थाना अधिकार क्षेत्र डिंगा अंब से कुल 17 गोवंश बचाए और तस्करी में शामिल एक ट्रक को जब्त किया जबकि चालक फरार हो गया। जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी हीरानगर आशीष शर्मा के नेतृत्व में थाना हीरानगर की एक पुलिस टीम ने डिंगा अंब क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध ट्रक नंबर जेके02बीएच-0467 को शक के आधार पर जांच के लिए रोका। जबकि पुलिस को देख चालक फरार होने में सफल रहा। वाहन की जाँच के दौरान वाहन में बेरहमी से लदे कुल 17 गोवंश पाए गए, जिन्हें बचा लिया गया और एक ट्रक को मौके पर ही जब्त कर लिया गया। इस पर थाना हीरानगर में एफआईआर संख्या 167/2025 धारा 223 बीएनएस 11 पीसीए एक्ट के तहत तत्काल मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की आगे की जाँच शुरू कर दी गई है।

जिला प्रशासन ने बनी में जन शिकायत निवारण शिविर लगाया, सर्दियों की तैयारियों का लिया जायजा

कठुआ, 04 दिसंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने एसडीएम कार्यालय बनी में जनता की समस्याओं को सुनने और उनका तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के लिए एक जन शिकायत निवारण शिविर का आयोजन किया। कार्यकारी अधिकारी आईसीडीएस मुख्य पुलिस अधिकारी, एसडीएम बनी, जिला और उप-मंडल स्तर के अधिकारियों के अलावा बनी और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। डीसी ने शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना और संबंधित विभागों को सभी जायज मांगों के समय पर निपटान के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए आश्वासन दिया कि लोगों द्वारा उठाए गए मुद्दों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि एनएचपीसी अधिकारियों द्वारा वेतन वृद्धि, खनन खनिजों का निपटान, शिक्षण और चिकित्सा कर्मचारियों की कमी, राशन कार्डों का अद्यतनीकरण और बनी नगर पालिका की स्थापना जैसे मुद्दों को पहले ही संबंधित अधिकारियों के समक्ष उठाया जा चुका है। उपायुक्त ने युवाओं से अपील की कि वे अपनी ऊर्जा खेलों जैसी रचनात्मक गतिविधियों में लगाएँ और नशे से दूर रहें। उन्होंने लोगों से विभिन्न विभागों की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। गौरतलब है कि कठुआ के उपायुक्त द्वारा बनी जैसे दूरदराज और अलग-थलग इलाकों तक औद्योगिक

पहुँच बढ़ाने की पहल के तहत, जिला प्रशासन ने जनसभा में प्रमुख उद्योगपति मेसर्स कंधारी बेवरेजेज की भागीदारी सुनिश्चित की। इसका उद्देश्य क्षेत्र की कुशल और अकुशल कार्यबल क्षमता का दोहन करना और स्थानीय युवाओं के लिए सार्थक रोजगार के अवसर पैदा करना था। भर्ती अभियान के दौरान, औद्योगिक क्षेत्र में अवसरों के लिए 8 कुशल और 16 अकुशल उम्मीदवारों सहित कुल 24 उम्मीदवारों का चयन किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन बेहतर रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए कठुआ में और अधिक कंपनियों को लाने का प्रयास कर रहा है। मिशन युवा का जिक्र करते हुए, उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं को आसान ऋण के साथ नए उद्यम शुरू करने और स्थानीय रोजगार सृजन में योगदान करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

कठुआ पुलिस ने यूएपीए मामले में फरार आरोपी के खिलाफ उद्घोषणा आदेश जारी किया

कठुआ, 04 दिसंबर (हि.स.)। भगोड़ों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर पुलिस कठुआ ने माननीय तृतीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जम्मू द्वारा जारी आरोपी आशिक अहमद नेगरू पुत्र गुलाम अहमद नेगरू निवासी हांजी वाला तहसील राजपोरा जिला पुलवामा के खिलाफ घोषणा आदेश को सफलतापूर्वक लागू किया।

जनकारी के अनुसार आरोपी लखनपुर थाना में दर्ज एफआईआर संख्या 61/2019 धारा 38/39 यूए(पी) अधिनियम, 120-बी आरपीसी, 7/25 आर्म्स एक्ट के तहत फरार है, जिसमें अदालत ने भगोड़े को 26/12/2025 से पहले माननीय न्यायालय में पेश होने का निर्देश दिया था। समन और गैर-जमानती वारंट जारी होने के बावजूद आरोपी कानून से बचते रहा था। परिणामस्वरूप अदालत ने एक उद्घोषणा आदेश जारी किया, जिसे एसएचओ लखनपुर थाना तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सरपंच, लंबरदार, चैकीदार और समाज के अन्य प्रमुख सदस्यों की उपस्थिति में तामील किया।

इसके अलावा उद्घोषणा आदेश की एक प्रति भी आरोपी के घर के सामने चिपका दी गई। समाज के सम्मानित सदस्यों की उपस्थिति में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करते हुए तामील की गई। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने कहा कि कठुआ पुलिस भगोड़ों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और कानून का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्घोषणा आदेश का तामील इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो भगोड़ों को न्याय के कटघरे में लाने के अधिकारियों के संकल्प को दर्शाता है

कास्मो हीरो ने जम्मू में ऑल-न्यू डेस्टिनी 110 लॉन्च किया

जम्मू,4 दिसंबर (हि.स.)। दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प ने अपने स्थानीय डीलरशिप कास्मो हीरो से जम्मू में ऑल-न्यू डेस्टिनी 110 लॉन्च किया है। यह स्कूटर हीरो का स्कूटर-स्कूटर का हीरो के रूप में पेश किया गया है

शानदार माइलेज आसान राइडिंग बेहतरीन आराम और आकर्षक नियो-रेट्रो डिज़ाइन के साथ डेस्टिनी 110 110CC कम्यूटर स्कूटर सेगमैंट में एक नई पहचान स्थापित करने जा रहा ह। नया डेस्टिनी 110 परिवारों युवाओं कामकाजी लोगों और पहली बार स्कूटर खरीदने वालों सभी के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माना जा रहा है। यह रोज़ाना की यात्रा वीकेंड राइडिंग और सामान ले जाने जैसी हर जरूरत के लिए उपयुक्त है

महिला डिग्री कालेज कठुआ में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता व्याख्यान

कठुआ, 04 दिसंबर (हि.स.)। राजकीय महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ और नशा मुक्ति प्रकोष्ठ ने कॉलेज परिसर में मानसिक स्वास्थ्य पर एक ज्ञानवर्धक और जागरूकता-उन्मुख व्याख्यान का आयोजन किया।संसाधन व्यक्ति प्रोफेसर अनुराधा सहायक प्रोफेसर मनोविज्ञान विभाग जीडीसी कठुआ ने भावनात्मक स्वास्थ्य, मानसिक संकट के शुरुआती लक्षणों, इससे निपटने की रणनीतियों और आज की तेज-तर्रार दुनिया में एक स्वस्थ जीवनशैली बनाए रखने के महत्व पर केंद्रित एक व्यापक सत्र दिया।

छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रोफेसर अनुराधा ने इस बात पर जोर दिया कि मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है और उन्होंने युवा शिक्षार्थियों के बीच जागरूकता की बढ़ती आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्राओं को आवश्यकता पड़ने पर मार्गदर्शन लेने के लिए प्रोत्साहित किया और तनाव प्रबंधन, माइंडफुलनेस और सकारात्मक आत्म-देखभाल के व्यावहारिक तरीकों को साझा किया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्या प्रो. सीमा जॉली के समग्र पर्यवेक्षण में आयोजित किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने भावनात्मक रूप से लचीले और मानसिक रूप से स्वस्थ युवाओं के पोषण में शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका पर जोर दिया। परामर्श एवं नशामुक्ति प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ. रेणु ने कार्यक्रम का समन्वय किया और छात्रों के लिए एक सहायक वातावरण बनाने हेतु प्रकोष्ठ द्वारा की गई विभिन्न पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने नियमित कार्यशालाओं, परामर्श सत्रों और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के सेवन से संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु महाविद्यालय की प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम का समापन प्रो. सैयद नासर द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने संसाधन व्यक्ति, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति के डॉ. नासर, प्रो. रजनीश, डॉ. सोनिका, डॉ. अजय, डॉ. गोपाल और प्रो. नीरज तथा कार्यक्रम को सार्थक और प्रभावशाली बनाने के लिए सभी प्रतिभागी छात्रों का आभार व्यक्त किया।

'हिंदुओं के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है'

कठुआ, 04 दिसंबर (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने कठुआ में एक पत्रकार वार्ता आयोजित की, जिसमें उन्होंने श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय में सीट आवंटन को लेकर कड़ा विरोध जताया। समिति के सदस्यों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय में हिंदू समुदाय के साथ भेदभाव किया जा रहा है और विशेष समुदाय को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

पत्रकारों को संबोधित करते हुए सदस्यों ने बताया कि 50 सीटों में से 42 सीटें विशेष समुदाय को आवंटित की गई हैं, जबकि हिंदू समुदाय के लिए मात्र 7 सीटें रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि माता वैष्णो देवी के चढ़ावे का पैसा हिंदू समुदाय के हित में नहीं लगाया जा रहा है, बल्कि विशेष समुदाय के लिए उपयोग किया जा रहा है। समिति ने श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड से मांग की है कि वह सीट आवंटन के फैसले को रद्द करे और हिंदू समुदाय के साथ न्याय करे। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो वे उग्र प्रदर्शन करेंगे। समिति के सदस्यों ने कहा कि वे हिंदू समुदाय के हितों की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं।

कई प्रतिनिधिमंडलों ने राणा से मुलाकात की, अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े जन मुद्दों से अवगत कराया

श्रीनगर, 04 दिसंबर (हि.स.)। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की जिन्होंने उन्हें अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़े कई ज्वलंत जन मुद्दों से अवगत कराया। प्रतिनिधियों ने जल जीवन मिशन के तहत ठेकेदारों के लंबित भुगतानों पर चिंता व्यक्त की और कहा कि लंबे समय तक देरी से ठेकेदारों के लिए मुश्किलें पैदा हो रही हैं और चल रहे विकास कार्यों की गति प्रभावित हो रही है। उन्होंने त्राल में लिफ्ट सिंचाई योजना, जो स्थानीय कृषि और बागवानी आवश्यकताओं के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है, की प्रगति और बाधाओं पर भी स्पष्टता मांगी। इसके अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडलों ने कश्मीर संभाग में, विशेष रूप से तेजी से बढ़ती सर्दी को देखते हुए, पर्याप्त जलाऊ लकड़ी की आपूर्ति की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश

डाला। इन मुद्दों का तत्काल संज्ञान लेते हुए मंत्री ने कश्मीर के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) और वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक बुलाई। उन्होंने लकड़ी और जलाऊ लकड़ी दोनों से संबंधित वर्तमान स्टॉक स्थिति, आपूर्ति श्रृंखला और वितरण तंत्र का व्यापक मूल्यांकन किया। राणा ने विभाग को सख्त निर्देश जारी करते हुए जनता को जलाऊ लकड़ी की समय पर, पर्याप्त और निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने और किसी भी प्रशासनिक देरी को बिना किसी चूक के दूर करने का निर्देश दिया। त्राल में जल जीवन मिशन ठेकेदारों के भुगतान और लिफ्ट सिंचाई योजना से संबंधित मामलों पर, मंत्री ने प्रतिनिधिमंडलों को आश्वासन दिया कि वह व्यक्तिगत रूप से संबंधित विभागों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इन मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी ताकि शीघ्र समाधान हो सके और आवश्यक जन कल्याणकारी पहलों की निर्बाध प्रगति सुनिश्चित हो सके। उमर अब्दुल्ला सरकार की उत्तरदायी, पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, राणा ने कहा कि सरकार नागरिकों की चिंताओं का सक्रिय रूप से समाधान करने और जम्मू-कश्मीर में प्रमुख सार्वजनिक सेवाओं की कुशल डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ है।

संपादकीय

चिंता की बात

फेक न्यूज़ पर काबू पाने में सरकार के सामने चुनौतियाँ

लोकसभा में उठाया गया फेक न्यूज़ का मुद्दा अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि सरकार इस समस्या से निपटने में संघर्ष करती दिखाई दे रही है। कई बार मंत्री, सांसद और ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोग भी इस जाल में फँस जाते हैं और अनजाने में सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री साझा कर देते हैं। आज के समय में राजनीतिक नैरेटिव बदलने के लिए फेक न्यूज़ का इस्तेमाल आम हो गया है। कई राजनीतिक दल भी बढ़त हासिल करने या प्रतिद्वंद्वी दलों को बदनाम करने के लिए बिना जाँच किए हुई सामग्री साझा कर देते हैं, चाहे यह जानबूझकर हो या अनजाने में।

चौंकाने वाली बात यह है कि सोशल मीडिया पर संदिग्ध और फर्जी सामग्री वास्तविक तथ्यों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से फैलती है, जिससे तथ्य-जाँच करने वालों या अधिकारियों को हस्तक्षेप करने का मौका ही नहीं मिलता। फेक न्यूज़ की रफ्तार इतनी तेज होती है कि उसके बाद जारी होने वाले सुधारात्मक संदेश समाज तक समय पर नहीं पहुँच पाते और इससे उपयोगकर्ताओं के हितों को नुकसान होता है।

इन चुनौतियों के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है, क्योंकि अक्सर उनके एल्गोरिदम सनसनीखेज या भ्रामक सामग्री को तथ्यात्मक जानकारी की तुलना में अधिक बढ़ावा देते हैं। ऐसे में सरकार, तकनीकी कंपनियों और स्वतंत्र फैक्ट-चेकिंग संगठनों के बीच सहयोग को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। पारदर्शी कंटेंट-मॉडरेशन नीतियाँ और हानिकारक पोस्टों को जल्दी हटाने की व्यवस्था फर्जी नैरेटिव के प्रसार को काफी हद तक रोक सकती है।

सोशल मीडिया पर फैल रही फर्जी और भ्रामक सामग्री के दुष्परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा लोकसभा में किए गए इस वक्तव्य कि सरकार फेक न्यूज़ पर रोक लगाने के लिए फेल-सेफ कदम उठा रही है — को जल्द वास्तविकता में बदलना जरूरी है, ताकि इसका भारी खामियाज़ा देश को न भुगतना पड़े।

सरकार को तकनीकी उपायों और कानूनी प्रक्रियाओं के माध्यम से फर्जी सामग्री फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि अनियंत्रित फेक न्यूज़ संस्थाओं पर से जनता का भरोसा कम कर सकती है, समाज में ध्रुवीकरण बढ़ा सकती है और अनावश्यक भय या तनाव पैदा कर सकती है।

एक जागरूक और डिजिटल रूप से साक्षर समाज का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि ऐसे लोग गलत सूचना के शिकार बनने की संभावना कम रखते हैं। इस नैरेटिव-विकृति की समस्या को समाप्त करने के लिए सख्त निगरानी और समयबद्ध कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए, क्योंकि इसे बार-बार होने देना देश के लिए बेहद नुकसानदायक है।

यह बात निर्विवाद है कि सोशल मीडिया डिजिटल युग का एक शक्तिशाली माध्यम बन चुका है, लेकिन इसका दुरुपयोग — विशेषकर फेक न्यूज़ फैलाने के रूप में — बेहद खतरनाक प्रवृत्ति है। इसलिए सभी हितधारकों को मिलकर इस समस्या का सामना करना होगा, ताकि जनता और देश दोनों का हित सुरक्षित रह सके।

भारत-रूस संबंधों में नया रणनीतिगत बदलाव

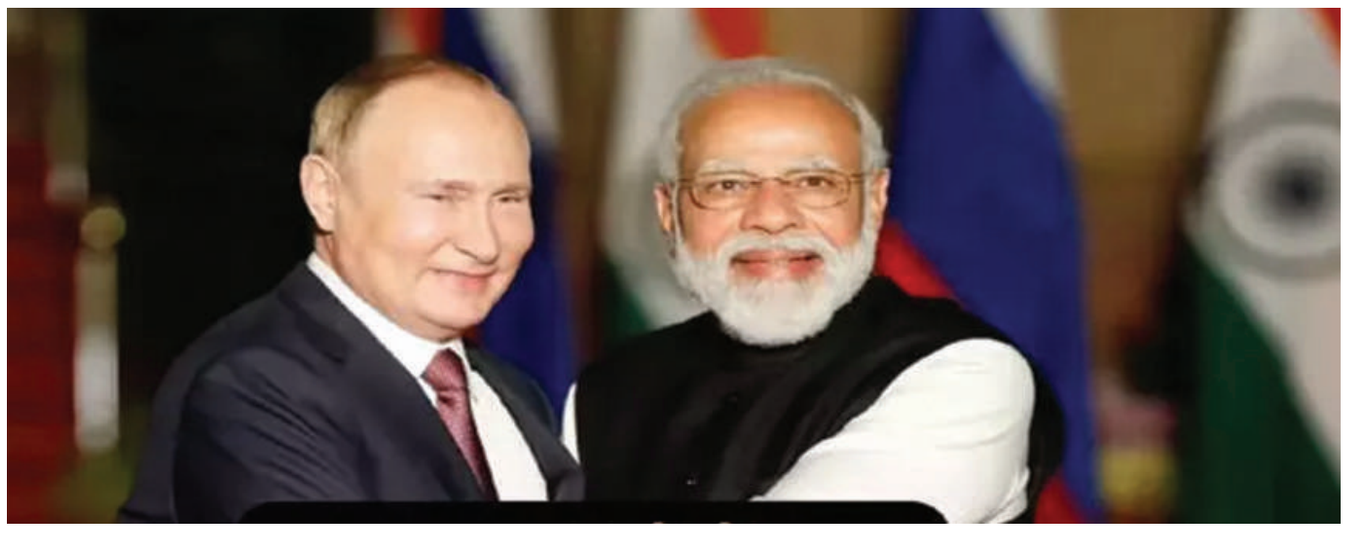

शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है।राजनीतिक इरादे और आर्थिक व्यावहारिक सोच का बढ़ता मेल भारत-रूस रिश्ते को नई रफ़्तार दे रहा है, जिससे नई दिल्ली में होने वाला शिखर सम्मेलन एक ऐसी भागीदारी में एक अहम पल बन रहा है जिसने पहले ही दशकों के भूराजनीतिक बदलावों को झेला है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दौरा, जिसे %स्पेशल और प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप% (विशेष और तरजीही भागीदारी) की शब्दावली में बताया गया है, दोनों तरफ़ से एक ऐसे एजेंडा को आगे बढ़ाने की इच्छा का संकेत देता है जो अब पहले की रुकावटों तक सीमित नहीं है और अब सिर्फ पुरानी मजबूरियों से बना नहीं है।जबकि पिछले साल ज़्यादातर बातचीत में तेल ही हावी रहा,वैश्विक ऊर्जा बाजार में हो रहे बदलाव और वाशिंगटन में चल रही बातचीत ने हाइड्रोकार्बन को लेकर दबाव कम कर दिया है, जिससे नई दिल्ली और मॉस्को अपना ध्यान रक्षा सहयोग और बड़े रणनीतिगत संबंधों पर केन्द्रित कर पा रहे हैं। इस बदलाव को मुमकिन बनाने वाला एक बड़ा बदलाव क्रूड सप्लाई को लेकर उम्मीदों का पुनर्समायोजन है। वैश्विक तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भारत की ऊर्जा टोकरी की बदलती बनावट ने ऐसा माहौल बना दिया है, जहां रूसी हेवी क्रूड बनाम अमेरिकी लाइट क्रूड को लेकर टकराव अब ज़रूरी नहीं रहा। भारत की कई अन्य आपूर्तिकर्ताओं से आयात संतुलित करने की क्षमता, और खरीदे जाने वाले तेल के ग्रेड के बीच सीधी प्रतिस्पर्धा की कमी ने, वाशिंगटन और मॉस्को के साथ उसकी भागीदारी के बीच टकराव की गुंजाइश कम कर दी है। बदले में, इसने भारत के राजनयिक बैंडविड्थ से एक बड़ा बोझ कम कर दिया है, जिससे नीति योजनाकार रूस के साथ सहयोग के पुराने तरीकों पर फिर से विचार कर सकते हैं और किसी दूसरे भागीदार को नाराज़ करने की चिंता किए बिना नए तरीके खोज सकते हैं।इस बदलाव से बनी जगह खास तौर पर रक्षा सहयोग में साफ़ दिखती है, जो लंबे समय से भारत-रूस समीकरण का सबसे अहम हिस्सा रहा है। दोनों सरकारों ने माना है कि रक्षा संबंधों को गहरा करना दिल्ली शिखर सम्मेलन का केन्द्र होगा। उम्मीद है कि चर्चा पारंपरिक खरीदार-बिक्रीकर्ता गत्यात्मकता से आगे बढ़ेगी, जिसने शीतयुद्ध काल के बाद से सैन्य संबंधों को आकार दिया है। भारत, जो अब रक्षा उत्पान में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए अपनी कोशिशों में ज़्यादा ज़ोर दे रहा है, ऐसे मॉडल खोज रहा है जिनमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, संयुक्त विनिर्माण और साइबर क्षमताओं, स्पेस आधारित संपदा और एडवांस्ड प्रोपल्शन सिस्टम जैसे उभरते हुए क्षेत्र में लंबे समय तक सहयोग शामिल हो।मॉस्को, अपनी तरफ से, भारत को एक भरोसेमंद भागीदार के तौर पर बनाए रखने में फ़ायदा देखता है, ऐसे समय में जब उसके अपने रणनीतिगत माहौल पर काफ़ी दबाव पड़ा है। पश्चिमी पाबंदियों और बदलते क्षेत्रीय गठबंधनों ने रूस को अपने आर्थिक और राजनीतिक जुड़ावों में विविधता लाने के लिए मजबूर किया है। भारत का बड़ा बाज़ार, इसका बढ़ता रक्षा औद्योगिक आधार और इसका भूराजनीतिक वजन रूस को स्थिरता और मौका दोनों देते हैं। आने वाला शिखर सम्मेलन इन मेलजोल को मज़बूत करने का एक रास्ता देता है, मौजूदा संबंधों और उत्पादनों पर काम करते हुए भविष्य के ऐसे रास्ते बताता है जो साझा रणनीतिगत गणना को दिखाते हैं।इन बातों का नई दिल्ली की विदेश नीति के लिए भी बड़े असर हैं। रणनीतिगत स्वायत्तता पर भारत का लंबे समय से ज़ोर, बदलते वैश्विक शक्ति ढांचा द्वारा लगातार जांचा जा रहा है। अमेरिका-चीन तनाव के बदलते हालात, अन्तरराष्ट्रीय प्रणाली में रूस की बदलती स्थिति और पश्चिम एशिया को आकार दे रही अनिश्चितताओं ने भारत की राजनयिक फुर्ती पर नई मांगें खड़ी कर दी हैं। इस माहौल में, रूस के साथ एक मजबूत भागीदारी बनाए रखने से कई मकसद पूरे होते हैं- यह भारत की पैंतरेबाज़ी की आज़ादी बनाए रखने में मदद करता है, इसके रक्षा प्रदर्शन में विविधता पक्का करता है और दूसरी बड़ी ताकतों के साथ बातचीत में फ़ायदा देता है।इनमें से कई गणनाओं के साथ ऊर्जा सुरक्षा जुड़ी हुई है। भारत की विविधिकरण रणनीति का मतलब है कि कोई भी एक देश इसके आपूर्ति स्रोत पर हावी नहीं है, लेकिन रूस एक अहम भूमिका निभाता रहा है। इसका हेवी क्रूड भारत के रिफाइनिंग इकोसिस्टम में सटीक बैठता है, जबकि अमेरिकी लाइट क्रूड लोच और माप की अधिकता देता है। जैसे-जैसे वैश्विक बाजार ओपेक के व्यवहार में बदलाव, गैर-ओपेक आपूर्ति के विस्तार और कमोडिटी के बहाव को प्रभावित करने वाली बड़ी अस्थिरता के हिसाब से एडजस्ट कर रहे हैं, भारत के आयात प्रोफ़ाइल में रूसी और अमेरिकी क्रूड के बीच टकराव की कमी दोनों भागीदार के साथ समानांतर सम्बंध कायम रखने के लिए जगह देती है। इसने न केवल भूराजनीतिक जोखिमों को कम किया है, बल्कि भारत की ऊर्जा राजनयिकता को आगे बढ़ाने की क्षमता को भी गहरा किया है जो व्यावहारिक और लचीली दोनों है।शिखर सम्मेलन में होने वाली चर्चाओं में बड़ी आर्थिक संभावनाओं पर भी बात होने की संभावना है, भले ही रक्षा और ऊर्जा सुर्खियों में छाए रहें। दोनों देशों के बीच व्यापार के आंकड़ों में पहले वृद्धि में तेज़ी दिखी, फिर कुछ समय के लिए ठहराव भी आया, जो लगातार बढ़ोतरी को अनलॉक करने के लिए ढांचागत दखल की ज़रूरत को दिखाता है। कनेक्टिविटी की दिक्कतें, निर्यात की टोकरी में सीमित विविधता और नियामक अवरोधों ने पारंपरिक रूप से तरक्की में रुकावट डाली है। मौजूदा माहौल में, जहां सप्लाई चेन की जोखिमों को कम कर उसे बेहतर बनाना वैश्विक प्राथमिकता बन गयी है, भारत और रूस द्विपक्षीय व्यापार को स्थिर करने के तरीके खोज सकते हैं। इसमें फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, खनिज संसाधन और नाभिकीय प्रौद्योगिकी में सहयोग को बढ़ाना शामिल हो सकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जहां पहले से ही सम्पूरक चीज़ें मौजूद हैं।इसके अलावा, जिस भूराजनीतिक पृष्ठभूमि में यह शिखर सम्मेलन हो रहा है, वह दोनों देशों के बीच बातचीत की प्रकृति तय कर रहा है। भारत की पश्चिमी भागीदारी और रूस के साथ अपनी पारम्परिक दोस्ती के बीच लगातार संतुलन बनाना एक बारीक काम है। नई दिल्ली ने बड़ी ताकतों के ध्रुवीकरण में फंसने से बचने के बजाय, अपने रणनीतिगत हितों को आगे बढ़ाने के लिए कई कर्ताधर्ताओं के साथ अपने रिश्तों का फायदा उठाया है। वॉशिंगटन में तेल से जुड़े तनाव में कमी ने इस संतुलन के काम में आत्मतोष की एक परत को कम कर दिया है। इससे भारत मॉस्को के साथ शिखर सम्मेलन में ज़्यादा आत्मबल के साथ जा सकता है, यह जानते हुए कि वह दूसरे भागीदारों के साथ रिश्तों में तनाव डाले बिना अपने संबंधों को बचा सकता है।रूस भी भारत के बढ़ते प्रोफाइल मूल्य को पहचानता है। बहुपक्षीय मंचों में इसकी भूमिका, इसकी बढ़ती अर्थव्यवस्था और इसकी बढ़ती रक्षा क्षमता, ये सभी मॉस्को की रणनीतिगत गणना में हिस्सा लेते हैं। यह शिखर सम्मेलन क्रेमलिन को लंबे समय से चली आ रही अच्छी नीयत को और मज़बूत करने का मौका देता है, साथ ही दूसरे वैश्विक कर्ताधर्ताओं को यह सिग्नल भी देता है कि रूस अपने आस-पड़ोस के अलावा भी भागीदारी में आगे है। मॉस्को के लिए, भारत के साथ मज़बूत रिश्ते बनाए रखना किसी एक भागीदार पर बहुत ज़्यादा निर्भरता से जुड़े जोखिमों को कम करने का भी एक तरीका हैरिश्ते का महत्वपूर्ण कारक पहलू है –भरोसा, विश्वसनीयता और राजनीतिक सुविधा, जो शिखर सम्मेलन के आस-पास की रफ़्तार को बनाए रखने वाला एक मज़बूतकारक बना हुआ है। वैश्विक ढांचे में बदलाव और अमेरिका तथा यूरोप के साथ भारत के करीबी जुड़ाव के बावजूद, नई दिल्ली और मॉस्को के बीच भागीदारी की ऐतिहासिक भावना खत्म नहीं हुई है। शिखर सम्मेलन के लिए अपनाई गई शब्दावली, जिसमें स्पेशल और प्रिविलेज्ड पार्टनरशिप (विशेष और तरजीही भागीदारी) पर ज़ोर दिया गया है, सिर्फ रस्मी नहीं है। यह दशकों के सहयोग से बने रिश्ते को दिखाता है, एक ऐसा रिश्ता जिसे दोनों देश उन वजहों से महत्व देते हैं .

ओटीटी की अनियंत्रित अश्लीलता- साहित्य परिषद् और न्यायपालिका की साझा चिंता

-डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी

नवम्बर माह में देश के सांस्कृतिक परिदृश्य में दो ऐसी घटनाएँ सामने आईं, जिन्होंने भारतीय समाज के नैतिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक संरचना और युवा पीढ़ी के मानसिक भविष्य पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। एक ओर अखिल भारतीय साहित्य परिषद् ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित हो रही अश्लील और मूल्यहीन सामग्री के विरुद्ध अपनी चिंता दर्ज कराते हुए एक व्यापक प्रस्ताव पारित किया। दूसरी ओर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने भी ओटीटी की अनियंत्रित सामग्री को लेकर सरकार को कठोर कदम उठाने की सलाह दी। दोनों घटनाएँ मिलकर एक ऐसे संकट की ओर संकेत करती हैं, जिसे अब अनदेखा करना राष्ट्र के लिए संभव नहीं है। भारतीय समाज लंबे समय से अपनी सांस्कृतिक आत्मा, नैतिक मर्यादाओं और पारिवारिक मूल्यों के लिए जाना जाता रहा है, किंतु पिछले कुछ वर्षों में मनोरंजन के नाम पर इन मूल्यों को व्यवस्थित रूप से ध्वस्त किया जा रहा है। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स, जो एक समय रचनात्मकता, स्वतंत्र प्रयोग और कलात्मक अभिव्यक्ति का माध्यम माने जाते थे, अब बड़े स्तर पर अश्लीलता, उग्रता, विकृति और अराजकता के केंद्र बनते जा रहे हैं। फिल्मों और वेबसीरीज में नग्नता और हिंसा को 'रियलिज्म' का नाम दिया जा रहा है, पात्रों की भाषा में गालियों और भद्दे संवादों को 'क्रिएटिव फ्रीडम' बताकर परोसा जा रहा है और युवा पीढ़ी इसे आधुनिकता का प्रतीक समझने के भ्रम में फँसती जा रही है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद् जो भारत की सभी भाषाओं, बोलियों और लिपियों के संरक्षण-संवर्धन का संवैधानिक दायित्व निभाने वाला संगठन है ने इसी संकट को रेखांकित किया है। परिषद् का कहना है कि ओटीटी की सामग्री युवाओं के मन-मस्तिष्क में उग्रता, अश्लीलता, विकृत यौनाचार, नशाखोरी और हिंसक प्रवृत्तियों को बढ़ावा दे रही है। न केवल सामग्री, बल्कि उस सामग्री के प्रचार-प्रसार की शैली भी उतनी ही चिंताजनक है। पोस्टर, ट्रेलर, सोशल मीडिया रील्स—सबमें आकर्षण का आधार 'संस्कृति-विरोध' और 'वर्जना-भंग' बनता जा रहा है। विभिन्न शोध भी इस संकट की पुष्टि करते हैं। हाल ही में दिल्ली और मुंबई के कॉलेजों में किए गए सर्वे से पता चला कि 14 से 18 वर्ष के बीच के 70त्न बच्चे बिना किसी आयु-नियंत्रण के ओटीटी पर वयस्क सामग्री देखते हैं। अनेक मनोवैज्ञानिक रिपोर्टें बताती हैं कि लगातार हिंसा और अश्लीलता के संपर्क में रहने से किशोरों में तनाव, अवसाद, आक्रामकता और संबंधों की गलत समझ विकसित होती है। साहित्य परिषद् ने केवल ओटीटी ही नहीं, बल्कि ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती विकृति पर भी चिंता जताई है। आज कई लोकप्रिय गेम, जिनमें हिंसा, हत्याएँ और आभासी अपराध मुख्य तत्व हैं, युवाओं में नशे की तरह फैल चुके हैं। बीते वर्षों में 'ब्लू व्हेल चैलेंज', 'पबजी' की लत से मानसिक विकृति, चोरी-डकैती और आत्महत्या तक की घटनाएँ सामने आईं। कई राज्यों में ऐसी घटनाओं के बाद गेमिंग पर प्रतिबंध और निगरानी की माँग उठी, किंतु इसका व्यापक समाधान आज भी प्रतीक्षित है। इस संदर्भ में परिषद् ने जो पाँच प्रमुख माँगें रखी हैं, वे पूरी तरह तार्किक एवं राष्ट्रीय हित में हैं- स्वायत्त नियामक संस्था का गठन, सांस्कृतिक संवेदनशीलता की अनिवार्यता, बच्चों के लिए आयु-आधारित सामग्री का नियंत्रण, विकृत सामग्री पर कानूनी कार्रवाई और भारतीय मूल्यों पर आधारित वैकल्पिक मनोरंजन को प्रोत्साहन। वास्तव में, यदि एक राष्ट्र अपनी किशोर और युवा पीढ़ी को ही सुरक्षित न रख सके, तो उसकी प्रगति और सांस्कृतिक गरिमा दोनों खतरे में पड़ जाती हैं। इसी के समानांतर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियाँ इस मुद्दे को और गंभीर बनाती हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने स्पष्ट कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अमूल्य अधिकार है, पर इसका दुरुपयोग समाज के लिए हानिकारक है। अदालत ने यह भी कहा कि अश्लील सामग्री देने से पहले चेतावनी और नियमन अनिवार्य होना चाहिए। न्यायालय का यह संकेत महज कानूनी टिप्पणी नहीं, बल्कि समाज के प्रति नैतिक चेतावनी है यदि समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह प्रवृत्ति विकृति और अराजकता का रूप ले सकती है। साहित्य परिषद् ने अपने अधिवेशन में 卐आत्मबोध से विश्वबोध卐 की परिकल्पना को आगामी वर्षों के वैचारिक पथ के रूप में निर्धारित किया है। यह संकल्प इस बात का संकेत है कि राष्ट्र की आत्मा तभी विश्वगुरु बन सकती है जब वह पहले स्वयं के भीतर की विकृतियों को पहचाने और उन्हें दूर करने का प्रयास करे। ओटीटी और डिजिटल माध्यमों की यह उच्छृंखलता भारत की सांस्कृतिक आत्मा के सामने वही चुनौती खड़ी कर रही है, जो औपनिवेशिक काल में भाषा, संस्कृति और परंपरा के सामने खड़ी हुई थी—बस माध्यम बदल गए हैं, स्वरूप बदला है, संकट वही है। आज आवश्यकता सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है। कई देश जैसे दक्षिण कोरिया, जापान और चीन—अपने डिजिटल माध्यमों पर कठोर सांस्कृतिक नियंत्रण रखते हैं। चीन में 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को गेमिंग खेलने के घंटे कानूनी रूप से सीमित हैं। दक्षिण कोरिया में अश्लील सामग्री का प्रसार कड़े दंड का विषय है। जापान ने मीडिया और मनोरंजन में सांस्कृतिक मूल्यों को अनिवार्य तत्व बनाया है। ये देश तकनीकी रूप से विकसित होने के बावजूद मूल्यहीनता को आधुनिकता का पर्याय नहीं मानते। भारत के लिए यह समय है कि वह अपनी सांस्कृतिक आत्मा को खोए बिना आधुनिकता की ओर बढ़े।

नारी शक्ति से विकास- महिलाओं के नेतृत्व वाली प्रगति पर फोकस करने की ज़रुरत

- लक्ष्मी पुरी

लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण हमारे उज्जवल आज और बदलते कल के लिए बेहद ज़रुरी आधार है। तेज़ रफ्तार से आगे बढ़ते इस वक्त मेंहम लैंगिक समानता हासिल करने के लिए एक और शताब्दी तक इंतज़ार नहीं कर सकते। नारी शक्ति और भारत की विश्व को सभ्यतागत देन,महिलाओं को देवी के रूप में देखने की मूल अवधारणाको अब महज़ एक प्रतीक से आगे ले जाकर व्यावहारिक जीवन में लाना होगा और महिलाओं के प्रति सम्मान की हमारी विरासत को महिलाओं के नेतृत्व वाले सतत् विकास के मार्ग पर ले जाना होगा।

जब आधी मानवता की स्वतंत्रता और जीवन जीने के अवसर बढ़ते हैं, तो नए समाज में फिर से एकनई ऊर्जा का संचार होता है। लैंगिक समानता अपने आप में एक आदर्श विचार है, और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, तकनीकी और पर्यावरणीय प्रगति का एक शक्तिशाली कारक भी है। मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीट्यूट की 2015 की रिपोर्ट, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आंकड़ों पर आधारित वर्ष 2024 का विश्लेषणऔर ईवाय का इंडियाञ्च100 कार्य, मिलकर एक ठोस आर्थिक तर्क पेश करते हैं- लैंगिक अंतर को कम करने से सकल घरेलू उत्पाद में 20 से 30% की वृद्धि हो सकती है और यह भारत के लिए 2047 तक 28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए बेहद ज़रुरी है।

भारत एक जनसांख्यिकीय दौर से गुज़र रहा है। हमारी युवा आबादी का तभी लाभ उठाया जा सकता है, जब वह महिलाओं के लिए फायदेमंद हो।

प्रजनन क्षमता घट रही है और लड़कियों तथा युवतियों की महत्वाकांक्षाएँ बढ़ रही हैं,भारत अब उच्च शिक्षा में लगभग बराबरी पर है और करीब 43% स्टेम छात्राएँ हैं। कई सालों तक महिलाओं के काम को अनौपचारिक और अदृश्य बनाए रखने के बाद, आखिरकार महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी फिर से बढ़ने लगी है और अब इसे बेहतर गुणवत्ता, औपचारिक और भविष्य के लिए तैयार नौकरियों में तब्दील होना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की एक खास विशेषता ऐसे प्रमुख कार्यक्रमों को लक्षित करना है, जिनमें महिलाएँ प्रमुख लाभार्थी हैं।

इसके अलावा बुनियादी ढाँचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम भी सरकार के फोकस में हैं, जो लैंगिक भेदभाव के प्रति संवेदनशील हैं। छात्रवृत्ति, छात्रावास और आरक्षित सीटों ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा में महिलाओं की मौजूदगी को बढ़ाया है और ज्ञान, स्वास्थ्य, हरित और देखभाल अर्थव्यवस्थाओं में उनके लिए नए रास्ते खोले हैं। डिजिटल मिशन और ग्रामीण कार्यक्रमों ने करोड़ों महिलाओं को प्रशिक्षित किया है और उनके हाथों में किफायती डेटा वाले स्मार्टफोन और जन धन खाते दिए हैं, जिससे उन्हें सूचना, बाज़ार और सेवाओं तक सीधी पहुँच मिली है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा, स्वच्छ भारत और प्रधानमंत्री आवास जैसी प्रमुख योजनाओं ने करोड़ों महिलाओं को स्वच्छ ऊर्जा, ऋण तक पहुँच, स्वच्छता और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाएं दी हैं, जबकि सुकन्या समृद्धि और लखपति दीदी जैसी योजनाओं ने उनके बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और उनकी आय में बढ़ोत्तरी को मुमकिन बनाया है।

अब अगले स्तर पर उन्हें निर्णायक रूप से लाभार्थी से अधिकार पति, यानी अधिकारों के प्राप्तकर्ता से पूर्ण अधिकार धारक और अर्थव्यवस्था तथा समाज में फैसला लेने वाली महिला के रूप में स्थापित करना होगा। 2030 तक लैंगिक समानता पर सतत् विकास लक्ष्य 5 को प्राप्त करने का यही असल सार है।

भारत में अंतर्संबंध का अर्थ है, कि कई महिलाओं को गरीबी, जाति, जनजाति, धर्म, दिव्यांगता या स्थान के कारण कई स्तरों पर मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। तीन तलाक के उन्मूलन ने मुस्लिम महिलाओं के विवाह अधिकारों को मज़बूत किया है। जनजातीय पृष्ठभूमि की महिला, द्रौपदी मुर्मू का भारत के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव इस बात का प्रतीक है कि हाशिए पर रहने वाले समाज की महिला एक गणतंत्र में किस ऊँचाई तक पहुँच सकती हैऔर लैंगिक और सामाजिक न्याय के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और गहरा कर सकती है।

मौजूदा वक्त में हमें जिस कल का निर्माण करना है, वह ऐसा होना चाहिए, जिसमें विकास के ऐसे उदाहरण, असाधारण न होकर, व्यवस्था का हिस्सा हों और व्यापक रुप से दिखाई दें।

हिंसा से मुक्ति, एक लैंगिक समानता वाले समाज का अनिवार्य आधार बनी हुई है। घरेलू दुर्व्यवहार और मानव तस्करी से लेकर कार्यस्थल पर उत्पीड़न और ऑनलाइन घृणा तक, महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हर प्रकार की हिंसा को खत्म करना, हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर होना चाहिए, साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य और यौन तथा प्रजनन अधिकारों पर निरंतर काम करना चाहिए, जो स्वायत्तता और सम्मान की गारंटी देते हैं।

राजनीतिक आवाज़ और नेतृत्व हर दूसरे हस्तक्षेप के प्रभाव को कई गुना बढ़ा देते हैं और महिलाओं को भविष्य के नियमों को आकार देने की ताकत देते हैं। जमीनी स्तर पर, पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों में 33त्न से 50% आरक्षण ने 15 लाख महिला नेताओं को जन्म दिया है।

लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने वाला नारी शक्ति वंदन अधिनियम, कानून निर्माण और शासन में वास्तविक समानता की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। जैसा कि हाल ही में बिहार में देखा गया, महिलाएँ चुनावी नतीजों को भी नया रूप दे रही हैं, जहाँ जागरूक मतदाता सुरक्षा, गतिशीलता, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में काम करने वाली सरकारों को चुन रहे हैं।

संस्कृति एक बुनियादी ढाँचा है, जिसके ज़रिए कोई भी समाज खुद को समझता है और अपने भविष्य की कल्पना करता है। सदियों से, इसका निर्माण पितृसत्ता के पुरुषवादी दृष्टिकोण से हुआ है, यहाँ तक कि उन सभ्यताओं में भी जहाँ महिलाओं की पूजा की जाती थी। आज, मीडिया और साहित्य से लेकर सिनेमा, संगीत, खेल और डिजिटल सामग्री तक, रचनात्मक उद्योगों में महिलाएँ उस पटकथा को नए सिरे से लिख रही हैं और देवी के विचार को दोबारा एक नई परिभाषा दे रही हैं, ताकि उनके प्रति श्रद्धा को घर, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक क्षेत्र में समान अधिकार, समान सम्मान और साझा ज़िम्मेदारी के रूप में दर्शाया जा सके।

परिवर्तन के अगले स्तर का नेतृत्व अब संसदों के साथ-साथ कार्यालयों, बोर्ड रूम, प्रयोगशालाओं और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म से भी होना चाहिए। सरकारी विभागों और राजनीतिक दलों से लेकर विश्वविद्यालयों, अनुसंधान परिषदों, स्टार्टअप्स और बड़े निगमों तक, हर संस्थान को लैंगिक समानता को अपने डीएनए में शामिल करना होगा। इसका अर्थ है कि लैंगिक समानता वाली शिक्षा से लेकर नौकरियों की मूल्य श्रृंखला तक, जहाँ लड़कियाँ कक्षाओं से आगे बढ़कर व्यापक उद्योग 4.0व्यवस्था तंत्र में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में करियर बना सकें। इसका एक दूसरा अर्थ ये भी है कि कॉर्पोरेट नेता और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भर्ती, प्रतिधारण, दोबारा प्रवेश और पदोन्नति में समानता के लिए प्रतिबद्ध होंऔर वरिष्ठ प्रबंधन और बोर्ड में और ज्यादा महिलाओं को शामिल करें। इसके लिए एक शोध और नवाचार प्रणाली और एक स्टार्टअप संस्कृति को तैयार करना होगा, जहां महिला संस्थापक, वैज्ञानिक और रचनाकार समान शर्तों पर ऋण, मार्गदर्शन और बाज़ार तक पहुँच सकें। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, भारत ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को एजेंडे के केंद्र में रखा, डिजिटल लैंगिक अंतर को पाटने, महिलाओं की श्रमशक्ति में भागीदारी बढ़ाने और महिला उद्यमिता और नेतृत्व का विस्तार करने की प्रतिबद्धताएँ ज़ाहिर कीं। सशक्त महिलाएँ हमारे युग की महान बदलावकारी शक्ति हैं। अपने परिवारों, समुदायों, देशों और दुनिया को बदलने वाली परिवर्तित महिलाओं के रूप में, वे जनसांख्यिकीय लाभ उठाते हुए महिलाओं और लड़कियों को आज़ादी, विकल्प और सम्मान से जीवन जीने में सक्षम बनाती हैं। भारत अगर इस आंदोलन को इसी रफ्तार से आगे बढ़ाता है, तो एक अग्रणी शक्ति के रूप में इसकी दूसरी पारी की शुरूआत,2047 तक विकसित भारत की यात्रा से शुरू होगी, वो यात्रा जो नारी शक्ति द्वारा प्रज्वलित और संचालित होगी।

लेखिका संयुक्त राष्ट्र की पूर्व सहायक महासचिव और लैंगिक समानता तथा महिला-नेतृत्व वाले विकास की एक अग्रणी वैश्विक समर्थक हैं। लेख में व्यक्त किए गए विचार उनके व्यक्तिगत विचार हैं।

राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप : क्वार्टर फाइनल में पहुंचे मफाज, विनायक, आमिर और अहयात

एजेंसी

प्रयागराज। रामपुर के मफाज खान, प्रयागराज के विनायक अग्रवाल, आमिर रईस और अहयात अहमद ने राजा राम कुमार भार्गव स्मृति राज्य स्तरीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। बिशप जार्ज स्कूल सिविल लाइंस में बुधवार को खेले गये पहले प्री-क्वार्टर फाइनल में रामपुर के मफाज खान ने लखनऊ के शोभित चंद्रा को 4-2 से हराया। शोभित ने पहला फ्रेम 75-45 से जीता। दूसरा फ्रेम में मफाज ने 67-61 से जीत लिया। तीसरे और चौथे फ्रेम में मफाज खान ने 61-15 और 63-21 से जीत दर्ज की। पांचवा फ्रेम एक बार फिर शोभित चंद्रा ने 90-13 से जीत लिया। छठवें फ्रेम में मफाज ने 67-61 से जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बना ली। प्रयागराज के ही पूर्व स्टेट चैम्पियन विनायक अग्रवाल ने प्रयागराज के मोहम्मद फैजान को 4-2 से हराया। फैजान ने अच्छी शुरुआत की लेकिन एक रेड कार्ड मिस कर दिया और इससे विनायक को फ्रेम 48-35 से जीतने का मौका मिला। दूसरे फ्रेम में विनायक ने 75-55 जीत दर्ज करके 2-0 की बढ़त बना ली। फैजान ने अगले फ्रेम में अपनी पूरी ताकत लगाई और फ्रेम के दौरान दो बार स्नूकर करके पूर्व चैंपियन को मुश्किल में डाल दिया। फैजान ने फ्रेम 49-35 से जीत लिया। विनायक ने अगला फ्रेम 62-33 से जीता।

विराट कोहली ने रायपुर में जड़ा लगातार दूसरा शतक, लगाई रिकॉर्डों की झड़ी

रायपुर। यहां के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज़ विराट कोहली का एक बार फिर अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में अपना लगातार दूसरा शतक जमाते हुए शानदार फॉर्म को जारी रखा। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए 37 वर्षीय कोहली ने एक बार फिर जल्दी क्रीज पर आकर अपनी क्लास, सटीकता और जबरदस्त नियंत्रण का परिचय दिया। कोहली ने अपने शतक तक पहुंचने के लिए 90 गेंदें लीं और जैसे ही उन्होंने मार्को जैनसन की गेंद पर लॉन्ग-ऑन की दिशा में एक रन लिया, पूरा रायपुर स्टेडियम खड़ा होकर उनका अभिवादन करने लगा। यह कोहली का 53वां वनडे शतक और कुल 84वां अंतरराष्ट्रीय शतक था। इससे पहले रांची में सीरीज के पहले मैच में उन्होंने 120 गेंदों पर शानदार 135 रन बनाए थे। कोहली के करियर में लगातार शतक लगाना एक खास पहचान रही है। यह उनकी वनडे करियर में 11वीं बार है जब उन्होंने लगातार दो शतक लगाए हैं—इतिहास में किसी भी बल्लेबाज़ की यह सबसे अधिक उपलब्धि है। रायपुर का यह शतक उन्हें वनडे शतकों की सूची में सचिन तेंदुलकर से आगे ले गया है। अंतरराष्ट्रीय शतकों में वह केवल तेंदुलकर (100) से पीछे हैं।

मोनाल कप : सचिवालय वॉरियर्स और सुपर किंग्स ने अपने-अपने मैच जीते

देहरादून। देहरादून सचिवालय की ओर से आयोजित मोनाल कप 2025 में महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड में दो मैच खेले गए। पहला मैच सचिवालय वॉरियर्स और लायंस के बीच खेला गया, जिसे सचिवालय वॉरियर्स ने 81 रन से जीता। दूसरा मैच सुपर किंग्स और राइजिंग के बीच खेला गया, जिसे सुपर किंग्स ने 91 रनों से जीता।

मैच 1: वॉरियर्स बनाम लायंस- इस मैच में वॉरियर्स की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कुल 20 ओवरों में 06 विकेट पर 176 रन बनाए। सचिन ने 49 और रोहन सैनी ने 33 रन बनाए। मदन और हीरा बसेड़ा ने 02-02 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी लायंस की टीम 16 ओवरों में 95 रन पर ऑल आउट हो गई। मदन ने 28 रन बनाए। राजीव तड़ियाल ने 06 विकेट लिए। इस तरह सचिवालय वॉरियर्स ने मैच 81 रनों से जीत लिया। राजीव तड़ियाल को मैन ऑफ द मैच दिया गया।

मैच 2: सुपर किंग्स बनाम राइजिंग- दूसरा मैच सुपर किंग्स एवं राइजिंग के बीच खेला गया। सुपरकिंग्स ने पहले खेलते हुए 06 विकेट पर 210 रन बनाए। अमित तोमर ने 69 और नवीन रावत ने 39 रन बनाए। सचिन बिष्ट ने 03 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने राइजिंग मात्र 119 रन ही बना सकी। रोहित पंत ने 27 रन बनाए। नरेश ने 04 विकेट लिए। इस तरह सुपर किंग्स ने मैच 91 रन से जीत लिया। अमित तोमर मैन ऑफ द मैच बने।

जिन्होंने कुछ खास हासिल नहीं किया, वे रोहित-कोहली के भविष्य का तय कर रहे हैं : हरभजन सिंह

शारजाह : पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह को यह दुर्भाग्यपूर्ण लगता है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों का भविष्य ऐसे लोग तय कर रहे हैं जिन्होंने अपने करियर में कुछ खास हासिल नहीं किया है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि यह जोड़ी 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक खेलती रहेगी। रोहित 38 वर्ष के हैं और विराट कोहली 37 वर्ष के तथा यह दोनों अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं। वह वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं इसको लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने इस बात पर कोई प्रतिबद्धता नहीं जताई है कि यह दोनों वनडे विश्व कप तक खेलते रहेंगे या नहीं। हरभजन ने यहां कहा, 'यह मेरी समझ से परे है। मैं इसका जवाब नहीं दे पाऊंगा क्योंकि मैं खुद एक खिलाड़ी रहा हूं और जो मैं देख रहा हूं वह मेरे साथ भी हुआ है। मेरे कई साथियों के साथ ऐसा हुआ है, लेकिन यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

दूसरे एशेज टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फैसला, नाथन लायन बाहर, नेसर और इंग्लिस को मौका

एजेंसी

ब्रिस्बेन। डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया ने चौंकाने वाला निर्णय लेते हुए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को टीम से बाहर कर दिया। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे दूसरे एशेज टेस्ट में घरेलू दर्शकों के सामने माइकल नेसर की वापसी हुई है, जबकि इंजर्ड उस्मान ख्वाजा की जगह जोश इंग्लिस को शामिल किया गया है। इंग्लिस पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट खेलेंगे और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नंबर 7 पर उतारा जाएगा। ट्रैविस हेड पर्थ टेस्ट की तरह इस मैच में भी ओपनिंग करेंगे। हेड ने मैच से पहले कहा, 'लगता है कि मैं ही पारी की शुरुआत करूंगा, मैंने उसी हिसाब से तैयारी की है।' यह इंग्लिस का चौथा टेस्ट और पहला

एशेज मुकाबला होगा, जबकि नेसर तीन साल बाद बैगी ग्रीन पहनते नजर आएंगे। खास बात यह है कि नेसर के अब तक तीनों टेस्ट मैच डे-नाइट रहे हैं और वे पिंक-बॉल स्पेशलिस्ट माने जाते हैं। कप्तान पैट कमिंस की वापसी की उम्मीद थी, लेकिन उनकी पीठ की चोट पूरी तरह ठीक न होने के कारण उन्हें अभी भी आराम दिया गया है। इससे स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालते रहेंगे। 38 वर्षीय नाथन लायन को लगातार दूसरे पिंक-बॉल टेस्ट से बाहर किया गया है। सीजन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने कहा था कि वे लायन को फिर से बाहर करने की संभावना कम रखते हैं, लेकिन पर्थ में उन्होंने सिर्फ दो ओवर फेंके और टीम मैनेजमेंट ने पिंक-बॉल कंडीशंस को देखते हुए नेसर पर भरोसा जताया।

नेसर की मौजूदगी ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम की बल्लेबाजी को भी मजबूत करती है, क्योंकि उनके पास फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में पांच शतक हैं और लगभग 30 का औसत है। इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग ११ पहले ही घोषित कर दी थी। पर्थ में आठ विकेट से हार के बाद उन्होंने एक बदलाव किया है—मार्क वुड की जगह ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है ताकि बल्लेबाजी में गहराई लाई जा सके।

भारत ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए नई जर्सी लॉन्च की

एजेंसी

रायपुर। भारत की जर्सी निर्माता कंपनी एडिडास ने टी-20 फॉर्मेट के लिए नई किट लॉन्च कर दी। यह लॉन्चिंग रायपुर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए दूसरे वनडे इंटरवल के दौरान की गई। यह जर्सी आगामी टी-20 विश्व कप 2026 के लिए पेश की गई है, जो 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। जर्सी अनावरण के लिए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और तिलक वर्मा को मध्य पारी के दौरान बुलाया गया। इस मौके पर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया भी मौजूद रहे। भारत को 2024 में टी-20 विश्व कप जिताने वाले रोहित शर्मा को 2026 संस्करण का ब्रांड एंबेसडर भी बनाया गया है। रोहित ने कहा, 'हमें 2007 के बाद टी-20 विश्व कप ट्रॉफी जीतने में 15 साल से ज्यादा का समय लगा। अब जब विश्व कप भारत में हो रहा है, मेरी शुभकामनाएं हमेशा टीम के साथ हैं। यह एक रोमांचक टूर्नामेंट होगा और मुझे पूरा यकीन है कि पूरा देश टीम का समर्थन करेगा।' रोहित अब टी-20 प्रारूप से संन्यास ले चुके हैं। टी-20 विश्व कप 2026 में भारत को ग्रुप-ए में नामीबिया, नीदरलैंड, अमेरिका और पाकिस्तान के साथ रखा गया है।

अर्जुन एरिगेसी ने विश्वनाथन आनंद को हराकर जीता यरूशलम मास्टर्स 2025 खिताब

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को फाइनल में हराते हुए यरूशलम मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। रैपिड चरण के शुरुआती दो गेम ड्रॉ रहने के बाद एरिगेसी ने पहले ब्लिट्ज गेम में सफेद मोहरों से निर्णायक जीत दर्ज की। दूसरे ब्लिट्ज गेम में भी वे बेहतर स्थिति में थे, लेकिन सुरक्षित ड्रॉ स्वीकार कर खिताब अपने नाम किया। 22 वर्षीय एरिगेसी को इस खिताबी जीत के साथ 55,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। फाइनल में पहुंचने के लिए एरिगेसी ने सेमीफाइनल में रूस के पीटर स्विडलर को हराया था, जबकि आनंद ने दूसरे सेमीफाइनल में इयान नेपोमनियाची पर जीत दर्ज की थी। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल की दूसरी रैपिड गेम में जीत दर्ज की थी।

तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्विडलर ने अपने

हमवतन नेपोमनियाची को 2.5-1.5 से हराया। निर्णायक बढ़त उन्हें दूसरे ब्लिट्ज गेम में मिली। प्रारंभिक राउंड-रॉबिन चरण में स्विडलर ने 8/11 स्कोर के साथ टॉप किया, जबकि नेपोमनियाची, आनंद और एरिगेसी ने 7.5/11 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान साझा किया।

दक्षिण अफ्रीका ने भारत को रायपुर वनडे में 4 विकेट से जीतकर सीरीज 1-1 की

एजेंसी

रायपुर। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लगातार दूसरे शतक और रुतुराज गायकवाड़ की लाजवाब पारी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में खेले गए दूसरे वनडे मैच में 359 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चार विकेट से जीत हासिल की और तीन मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 358/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया। रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल के शुरुआती झटकों के बाद कोहली (102) और गायकवाड़ (105) ने तीसरे विकेट के लिए 195 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में कप्तान केएल राहुल (66*), रवींद्र जडेजा और सूर्यकुमार यादव ने तेज बल्लेबाज़ी करते हुए टीम को मज़बूत स्थिति में पहुंचाया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने भी आक्रामक अंदाज़ में जवाब दिया। कप्तान एडन मार्करम ने 110 रनों की धांसू पारी खेलते हुए शुरुआती झटकों की भरपाई की। उन्होंने टेम्बा बावुमा (46) और मैथ्यू ब्रीट्ज़के (68) के साथ

महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं। डेवाल्ड ब्रेविस ने ताबड़तोड़ अर्धशतक लगाया, जिससे मैच अफ्रीका की पकड़ में आता गया।

अंतिम क्षणों में टोनी डी जोरजी चोटिल होकर रिटायर्ड हर्ट हुए, लेकिन इसके बाद कॉर्बिन बॉश और केशव महाराज ने शांत रहते हुए दक्षिण अफ्रीका को चार गेंद शेष रहते लक्ष्य तक पचा दिया। यह दक्षिण अफ्रीका का तीसरा सबसे बड़ा सफल वनडे रनचेज़ रहा।

भारत इस मैच में गेंदबाजी और मध्य ओवरों में विकेट लेने के मौके गंवाने की वजह से पिछड़ गया। लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी चमकी, लेकिन गेंदबाजी कमजोर कड़ी साबित हुई। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला शनिवार को विशाखापट्टनम में खेला जाएगा, जहां दोनों टीमें खिताब पर कब्ज़ा जमाने उतरेंगी।

केआईयूजी 2025 : चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का दबदबा, एथलेटिक्स में 4 नए मीट रिकॉर्ड

एजेंसी

जयपुर। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 के दसवें दिन चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने अपने शानदार प्रदर्शन से कुल पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। कनोई और कयाकिंग के 10 में से 9 स्वर्ण जीतकर चंडीगढ़ ने कमाल दिखाया। दिन का अंत चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के 33 स्वर्ण, 13 रजत और 9 कांस्य के साथ शीर्ष पर पहुंचने के साथ हुआ। एथलेटिक्स ट्रैक पर भी रोमांच चरम पर रहा, जहां लगातार दूसरे दिन चार नए मीट रिकॉर्ड टूटे।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए मुकाबलों में कई शानदार प्रदर्शन देखने को मिले।

निम्नलिखित खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड तोड़ा

सान्या यादव (गुरु काशी यूनिवर्सिटी) - महिला डिस्कस थ्रो

अलीना टी. साजी (महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी) - महिला ट्रिपल जंप

पंजाब यूनिवर्सिटी - पुरुष 4×400 मीटर रिले

शिंटोमन सीबी (महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी) - पुरुष 110 मीटर हर्डल्स

पुरुष 4м400 मीटर रिले में मुंबई यूनिवर्सिटी अंतिम 100 मीटर तक आगे थी, लेकिन पंजाब यूनिवर्सिटी के लोकेश सिंह गुर्जर ने जोरदार फिनिश करते हुए 3:12.40 सेकंड समय के साथ स्वर्ण अपने नाम किया। मुंबई यूनिवर्सिटी ने भी पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ा।

110 मीटर hurdles में शिंटोमन सीबी ने शानदार लय में दौड़ते हुए पुराना रिकॉर्ड पीछे छोड़ा। वहीं महिला डिस्कस में सान्या यादव ने 50.73 मीटर के थ्रो से नया रिकॉर्ड बनाया। महिला ट्रिपल जंप में अलीना ने 13.09 मीटर की छलांग लगाकर नया मीट रिकॉर्ड बनाया।

कनोई और कयाकिंग में चंडीगढ़ का जलवा

उदयपुर में हुए कनोई और कयाकिंग में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी का दबदबा कायम रहा—पुरुष और महिला वर्ग में कुल 9 स्वर्ण।गुरु काशी यूनिवर्सिटी के टोंगब्रेम रोशन सिंह ने सी-1 500 मीटर में स्वर्ण जीतकर चंडीगढ़ को क्लीन स्वीप से रोका।

आरएसडी अकादमी ने बालक और सेंट मेरी स्कूल ने बालिका वर्ग में मारी बाजी

एजेंसी

मुरादाबाद। ब्रास सिटी सहोदय की ओर से आयोजित दो दिवसीय इंटर स्कूल बास्केटबॉल प्रतियोगिता में आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल ने बालक और सेंट मेरी स्कूल बुद्धि विहार ने बालिका वर्ग में बाजी मारी है। आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल में आयोजित इस प्रतियोगिता में खिताबी मुकाबले खेले गए। बालक वर्ग का फाइनल मैच आरएसडी अकादमी और एसएस चिल्ड्रेन अकादमी स्कूल के बीच खेला गया। यह मैच आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल ने 76-39 के अंतर से अपने नाम किया। वहीं बालिका वर्ग का खिताबी मुकाबला आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल और सेंट मेरी स्कूल बुद्धि विहार के बीच खेला गया। इसमें सेंट मेरी स्कूल ने 15-11 के अंतर से जीत हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। इससे पहले बालक वर्ग के सेमीफाइनल मैच में एसएस चिल्ड्रेन अकादमी ने सीएनएस को 33-21 और आरएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल ने ग्रीन मिडोज स्कूल को 60-21 के अंतर से मात देकर फाइनल में प्रवेश किया था। बालिका वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में आएसडी अकादमी पब्लिक स्कूल ने एसएस बिल्ड्रेन एकेडमी को 8-0 और सेंट मेरी स्कूल बुद्धि विहार की टीम ने आरआरके स्कूल को 22-0 के अंतर से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए टीम इंडिया घोषित, हार्दिक पांड्या की वापसी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 9 दिसंबर से शुरू हो रही पांच मैचों की टी-20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के लिए टीम इंडिया की घोषणा कर दी है। हार्दिक पांड्या की वापसी हुई है, जिन्होंने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलकर फिटनेस साबित की। यह उनकी सितंबर 2025 एशिया कप के बाद पहली प्रतिस्पर्धी उपस्थिति थी। श्रीलंका के खिलाफ सुपर फोर मैच के बाद वह चोटिल हो गए थे और पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल तथा ऑस्ट्रेलिया दौरा मिस कर दिया था।

भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को भी टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनकी उपलब्धता बीसीसीआई सीओई की फिटनेस मंजूरी पर निर्भर करेगी। गिल को कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगी थी। टी-20 विश्व कप 2026 की तैयारियों में जुटी टीम इंडिया की कमान सूर्यकुमार यादव के हाथों में ही बरकरार रहेगी।

भारत की टी-20 टीम (दक्षिण अफ्रीका सीरीज)

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान)*, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी-20आई सीरीज कार्यक्रम

पहला टी-20: मंगलवार, 9 दिसंबर - कटक

दूसरा टी-20 गुरुवार, 11 दिसंबर - मुल्लनपुर

तीसरा टी-20: रविवार, 14 दिसंबर - धर्मशाला

चौथा टी-20: बुधवार, 17 दिसंबर - लखनऊ

पांचवां टी-20: शुक्रवार, 19 दिसंबर - अहमदाबाद।

सांसद-विधायक खेल स्पर्धा : कल्याणपुर विधानसभा में विविध खेलों का हुआ आयोजन

एजेंसी

कानपुर। युवा कल्याण विभाग द्वारा कल्याणपुर विधानसभा क्षेत्र में सांसद-विधायक खेल स्पर्धा एक दिसंबर को शुरू हुआ था। यह कार्यक्रम आरयूबी ग्राउंड बिठूर रोड कल्याणपुर एवं ग्रीन पार्क स्टेडियम कानपुर में किया गया। स्पर्धा के तीसरे दिन विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन ग्रीन पार्क स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। यह जानकारी प्रतियोगिता के संयोजक क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी राघवेंद्र सिंह भदोरिया ने दी।

ग्रीन पार्क में वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, जूडो, शतरंज एवं फुटबॉल की प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। शतरंज खेल विधा में सब जूनियर वर्ग में प्रशांत गौतम, जूनियर वर्ग में कार्तिक कनौजिया व सीनियर वर्ग में शुभेन्द्र सिंह तोमर विजयी रहे। वेटलिफ्टिंग में सब जूनियर वर्ग में 56 किलोग्राम में तेजस शर्मा और 71 किलोग्राम में वीर चंद ने सफलता प्राप्त की। जूनियर वर्ग में 60 किलोग्राम में अमित कुमार, 65 किलोग्राम में वेंकटेश, 79 किलोग्राम में हर्षद वर्मा तथा 88 किलोग्राम में ध्रुव विवेकानंद विजयी रहे। सीनियर वर्ग में गौरव गुप्ता ने प्रथम स्थान तथा राज सिंह ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जूडो खेल में सब जूनियर वर्ग में 48 किलोग्राम में आराध्या सोनकर, 36 किलोग्राम में अनुभवी, 40 किलोग्राम में अनन्या शर्मा और 44 किलोग्राम में बाल विश्वकर्मा उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विजयी रहे। सीनियर वर्ग में 66 किलोग्राम में रुद्र प्रताप सिंह प्रथम स्थान पर रहे। कुश्ती खेल विधा में सीनियर वर्ग के 63 किलोग्राम वर्ग में अभिनय मिश्रा प्रथम स्थान तथा विश्वजीत द्वितीय स्थान पर रहे। फुटबॉल खेल में आयुष निषाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस खेल प्रतियोगिता में लगभग 1200 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। विधानसभा कल्याणपुर स्तर की खेल स्पर्धा का सफलतापूर्वक समापन किया गया। कल्याणपुर विधानसभा के विजेता खिलाड़ी अब जनपद स्तर पर सांसद खेल स्पर्धा में प्रतिभाग करेंगे तथा जनपद स्तर पर विजयी प्रतिभागी राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

रायगढ़ में पांच व छह दिसंबर को होगा जिलास्तरीय सांसद खेल महोत्सव, तैयारियाँ अंतिम चरण में

रायगढ़। रायगढ़ जिले में युवा ऊर्जा और खेल संस्कृति को मजबूत आधार देने वाले जिलास्तरीय सांसद खेल महोत्सव की तैयारियाँ तेज रफ्तार से अंतिम रूप ले रही हैं। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आयोजन से जुड़े सभी विभागों को जिम्मेदारियाँ सौंपते हुए निर्देश दिया है कि सभी व्यवस्थाएँ समय पर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरी की जाएँ। दो दिवसीय सांसद खेल महोत्सव का आयोजन 5 और 6 दिसंबर 2025 को विकासखंड घरघोड़ा स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय परिसर एवं क्रिकेट मैदान में बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। जिले के उभरते खिलाड़ियों को मंच प्रदान करने तथा प्रतिस्पर्धात्मक खेल वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित यह महोत्सव रायगढ़ के प्रमुख खेल आयोजनों में अपनी विशेष पहचान बना चुका है। इस महोत्सव में 5 दिसंबर को महिला वर्ग और 6 दिसंबर को पुरुष वर्ग की प्रतियोगिताएँ आयोजित होंगी। जिले के सभी विकासखण्डों से आए खिलाड़ी विभिन्न खेल विधाओं में अपना दमखम दिखाएंगे। आयोजन में लगभग 1200 प्रतिभागियों–खिलाड़ियों, निर्णायकों, ऑफिसियल्स और सहयोगी दलों के शामिल होने की संभावना है।

एशियन इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप 2025 में भारत का ऐतिहासिक प्रदर्शन, 5 पदक जीते

एजेंसी

नई दिल्ली। थाईलैंड के पटाया में 23 नवम्बर से शुरू हुई एफईआई एशियन इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप 2025 में भारत ने अपने अभियान का शानदार समापन किया। भारतीय दल ने कुल 05 पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस एशियाई चैंपियनशिप का केवल दूसरा संस्करण था और खास बात यह रही कि भारत ने पहली बार इसमें हिस्सा लेते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

वेंटिंग स्पर्धा में टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप (TAGG) स्कीम के एथलीट आशीष लिमये ने शानदार प्रदर्शन करते हुए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने शशांक सिंह कटारिया और शशांक कनमुरी के साथ मिलकर टीम स्पर्धा में रजत भी भारत के नाम किया।

ड्रेसाज में भारतीय दावेदार श्रुति वोरा प्रतियोगिता की स्टार रहीं। उन्होंने तीन रजत पदक जीते—एक व्यक्तिगत स्पर्धा में, दूसरा इंटरमीडिएट फ्रीस्टाइल-ढ्ढ में और तीसरा टीम ड्रेसाज में। टीम स्पर्धा में ञ्जत्रत्र एथलीट दिव्यकृति सिंह, गौरव पुंडीर और श्रुति वोरा शामिल थीं।

स्वर्ण पदक विजेता आशीष लिमये ने कहा, यह जीत हमारे लिए बेहद भावुक करने वाली है। पिछली एशियन गेम्स में

परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं थे, इसलिए यह हमारे लिए बड़ी राहत और पुनर्स्थापना जैसा क्षण है। खेल मंत्रालय और आयोजकों ने हर कदम पर बेहतरीन सहयोग दिया।'

उन्होंने अपने घोड़े 'विली बी डन' की भूमिका की भी सराहना की और कहा कि उनके बिना यह सफलता संभव नहीं थी।

सरकार ने 2.73 करोड़ रुपये की सहायता दी

टाया में आयोजित चैंपियनशिप के लिए 16 सदस्यीय भारतीय दल पूरी तरह सरकारी खर्च पर भेजा गया।

खेल मंत्रालय ने ह्रस्न्र स्कीम के तहत 2.73 करोड़ का प्रावधान किया, जिसमें शामिल थे– 12 घोड़ों के एयर और रोड ट्रांसपोर्ट की व्यवस्था, क्वारंटीन, देखभाल, फीड एवं बेडिंग ; बीमा, वेटरनरी सुपरविजन और फरियर सेवाएँ; खिलाड़ियों व कोचों के यात्रा, वीज़ा, आवास, बीमा और प्रवेश शुल्क; ११ की ञ्जत्रत्र स्कीम के तहत आशीष, शशांक और दिव्यकृति को विशेष प्रशिक्षण, उपकरण और हॉर्स-केयर सपोर्ट प्रदान किया गया।

दिव्यकृति सिंह ने कहा, 'इक्वेस्ट्रियन एक महंगा खेल है। सरकार की TAGG और TOPS जैसी योजनाएँ हमारे लिए बेहद सहायक साबित होती हैं। पूरे वर्ष यूरोप में ट्रेनिंग और कंपटीशन की सुविधा मिली, जिसका परिणाम रजत पदक के रूप में सामने आया।'

उन्होंने यह भी बताया कि चैंपियनशिप में शुरुआती दिनों में कुछ चुनौतियाँ आईं, लेकिन ११ की टीम ने तुरंत सहायता प्रदान कर सभी समस्याएँ सुलझा दीं।

ऐतिहासिक उपलब्धि

अपने पहले ही प्रयास में 5 पदक जीतकर भारत ने एशियन इक्वेस्ट्रियन चैंपियनशिप के मंच पर मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह उपलब्धि न केवल खिलाड़ियों के समर्पण का प्रमाण है, बल्कि खेल मंत्रालय और SAI की योजनाओं द्वारा दिए गए सुदृढ़ समर्थन का भी परिणाम है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयर बिक्री कार्यक्रम में पेशकश के 1.72 गुना के बराबर आवेदन

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकारी क्षेत्र के बैंकिंग उपक्रम बैंक ऑफ महाराष्ट्र के शेयरों की शेयर बाजार के जरिए सार्वजनिक बिक्री के लिए चल रही ऑफर फॉर सेल (ओएफसी) प्रकिया में दूसरे दिन की समाप्ति पर कुल 1.72 गुना अभिदान प्राप्ति हुआ । वित्त मंत्रालय में निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि इसके साथ ही यह बैंक अब न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की (सेबी) की शर्तों को पूरा करने लगा है। विभाग ने बैंक ऑफ महाराष्ट्र के ओएफसी में भाग लेने वाले सभी निशकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र की पांच प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगी जिसके लिए बिक्री प्रस्ताव (ओएफएस) मंगलवार को खुला। सरकार बैंक ने 54 रुपये प्रतिशत शेयर की न्यूनतम दर से बैंक की कुल चुकता पूंजी के पांच, प्रतिशत यानी 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 38,45,77,748 शेयर बेचने की पेशकश की थी। इस विनिवेश से सरकार को न्यूनतम 2,076 करोड़ रुपये से अधिक की पूंजीगत प्राप्ति होने का अनुमान लगाया गया था। इस शेयर बिक्री कार्यक्रम में 7,69,15,549 शेयर (एक प्रतिशत) ग्रीन-शू (मांग निकलने पर अतिरिक्त शेयर जारी करने का) विकल्प रखा गया था। बैंक ने 75 हजार शेयर अपने कर्मचारियों के लिए पेश किये थे। गैर-खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस मंगलवार को सुबह 9:15 बजे खुलेगा और दोपहर बाद 3:30 बजे बंद तक खुला था। खुदरा निवेशकों के लिए यह आज सुबह 9:15 बजे से दोपहर बाद 3:30 बजे तक बोली लगाने का अवसर था।

अप्रावा एनर्जी ने जुटाई 801 करोड़ की पूंजी

मुंबई। सीएलपी समूह की ऊर्जा समाधान प्रदाता कंपनी अप्रावा एनर्जी ने ब्रितानी वित्तीय संस्थान ब्रिटिश इंटरनेशनल इनवेस्टमेंट (बीआईआई) और स्टैंडर्ड चार्टर्ड से 800.9 करोड़ रुपये (लगभग 9.2 करोड़ डॉलर)की पूंजी जुटाई है। कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने बीआईआई के साथ 400.5 करोड़ रुपये और स्टैंडर्ड चार्टर्ड के साथ 400.4 करोड़ रुपये के वित्त पोषण समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं। उसने बताया कि इस पूंजी का इस्तेमाल एडवांस्ड मीटरिंग अवसंरचना (एएमआई) में अप्रावा की मौजूदगी को बढ़ाने के लिए किया जायेगा जो देश के ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव में मददगार होगा। एएमआई के तहत सरकार ने बिजली के पारंपरिक मीटरों की जगह स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है ताकि ग्रिड की दक्षता बढ़ाई जा सके, पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और वितरण के दौरान होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सके। केंद्र सरकार ने साल 2026 तक 25 करोड़ स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य रखा है। अप्रावा एनर्जी के निदेशक (वित्त) और मुख्य वित्तीय अधिकारी समीर अष्टा ने कहा कि ऊर्जा क्षेत्र में बदलाव की अपनी यात्रा में भारत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एएमआई कारोबार में प्रवेश करके एक नये रास्ते पर कदम रख रही है। स्टैंडर्ड चार्टर्ड और बीआईआई के साथ भागीदारी हमें देश को कम-कार्बन उत्सर्जन वाला ग्राहक केंद्रित देश के निर्माण में सहयोग के लिए सक्षम बनाता है।

एचडीएफसी लाइफ की 'रेडी फॉर लाइफ' रिपोर्ट वित्तीय तत्परता के आकलन और वास्तविक स्थिति के बीच 26 अंकों का अंतर उजागर

नई दिल्ली। यह अध्ययन शहरी भारत में वित्तीय तैयारी के प्रति लोगों की धारणा और वास्तविक स्थिति के बीच अंतर को समझने के उद्देश्य से किया गया है। इसमें वित्तीय तत्परता के चार प्रमुख स्तंभों – वित्तीय योजना, आपातकालीन तैयारी, स्वास्थ्य एवं कल्याण, और सेवानिवृत्ति रणनीति – के आधार पर शहरी भारतीयों की वित्तीय स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है ज देशव्यापी अध्ययन के अनुसार, भारत का वास्तविक रेडी फॉर लाइफ इंडेक्स 59 पर दर्ज किया गया, जबकि अनुभूत वित्तीय तत्परता 85 रही – यह दर्शाता है कि शहरी भारत की वित्तीय तैयारी में 26 अंकों का उल्लेखनीय अंतर है। सेवानिवृत्ति योजना भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का क्षेत्र बनकर उभरी है। रिपोर्ट में पाया गया कि हर तीन में से दो व्यक्ति, योजना होने के बावजूद, सेवानिवृत्ति के बाद पारिवारिक सहयोग पर निर्भर रहने की अपेक्षा रखते हैं। केवल हर पाँच में से दो व्यक्ति (40फीसदी) के पास ऐसा आपातकालीन कोष है, जो चार महीने या उससे अधिक के खर्च को वहन कर सके। वहीं, हर पाँच में से दो स्वास्थ्य बीमा धारकों का स्वास्थ्य कवर 5 लाख रुपये से कम है।

पीएचडी की स्वर्ण अयस्क कंसन्ट्रेट पर आयात शुल्क शून्य करने की सिफारिश

नई दिल्ली। पीएचडी वाणिज्य एवं उद्योगमंडल (पीएचडीसीसीआई) ने स्वर्ण अयस्क कंसन्ट्रेट (एचएसएन26169010) पर आयात शुल्क शून्य किये जाने और घरेलू सोना प्रसंस्करण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू करने की सिफारिश की है। पीएचडीसीसीआई ने कहा कि स्वर्ण परिशोधन क्षेत्र की पीएलआई योजना से देश में सोने की उत्पादन क्षमता का विस्तार, तकनीकी उन्नयन और इस क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश को प्रोत्साहित करने में मदद मिलेगी। पीएचडी की यह सिफारिश ऐसे परिप्रेक्ष में है जबकि भारत का सोना उद्योग खपत के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। भारत में सोने की अधिकांश मांग आयात के माध्यम से पूरी होती है। पीएचडीसीसीआई ने वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 2024 की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा है कि देश में 2024 में सोने की मांग में 5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसका एक कारण आयात शुल्क में कमी भी थी । पीएचडीसीसीआई के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने एक बयान में कहा कि भारत में 2025 के लिए सोने की मांग की संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं।

चांदी के भाव में मामूली गिरावट, एक्सपर्ट्स ने संभल कर निवेश करने की दी सलाह

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी के भाव में आज मामूली कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। आज इस चमकीली धातु की कीमत में सिर्फ 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। आज की इस कमजोरी के कारण देश के अलग अलग सर्राफा बाजारों में चांदी 1,87,700 रुपये प्रति किलोग्राम से लेकर 1,95,900 रुपये प्रति किलोग्राम तक के भाव पर बिक रही है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत फिसल कर 1,87,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में भी चांदी 1,87,700 रुपये के भाव पर कारोबार कर रही है। जबकि जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,88,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी

हुई है। वहीं बेंगलुरु में चांदी 1,88,200 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,87,800 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश में चांदी की सबसे अधिक कीमत अभी भी चेन्नई और हैदराबाद में है, जहां ये चमकीली धातु आज 1,95,900 रुपये के स्तर पर पहुंची हुई है। कैपेक्स गोल्ड एंड इनवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि चांदी के भाव में आज की गिरावट के बावजूद अभी भी मजबूती आने की संभावना बनी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत लगातार 55 डॉलर प्रति औंस के ऊपर बनी हुई है। आज भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में ये चमकीली धातु 58.44 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर कारोबार कर रही है। इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ने के कारण इसकी कीमत में आने वाले दिनों में 65 डॉलर प्रति औंस तक भी पहुंच सकती हैं। हालांकि छोटे निवेशकों को मौजूदा उतार चढ़ाव के दौर में संभल कर अपनी निवेश योजना बनानी चाहिए।

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की पांचवीं मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की द्विमासिक समीक्षा बैठक यहां शुरू हो गई। आरबीआई के गवर्नर की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय इस समीक्षा बैठक में लिए गए फैसलों की घोषणा 5 दिसंबर को सुबह 10 बजे संजय मल्होत्रा करेंगे। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि? आरबीआई नीतिगत दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य जीडीपी वृद्धि दर और महंगाई के नवीनतम आंकड़ों को ध्यान में रखते हुए मौद्रिक नीति की भावी दिशा पर विस्तृत चर्चा करेंगे। नीतिगत नतीजों की घोषणा आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार सुबह 10 बजे करेंगे। एमपीसी की यह बैठक ऐसे समय में हो रही है, जब देश का आर्थिक प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। महंगाई में तेजी से गिरावट आई है। आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है। जानकारों ने बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की 5वीं मौद्रिक नीति समिति की बैठक में रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दर (रेपो रेट) में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा की अध्यक्षता में यह बैठक 3 से 5 दिसंबर तक चलेगी। इससे पहले रिजर्व बैंक ने लगातार दो बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया था। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि आरबीआई इस बार नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है। आरबीआई यदि इस बार इसमें कटौती करता है तो यह 5.25 फीसदी हो जाएगा। अगर ऐसा होता है, तो कर्ज की ईएमआई में कमी आएगी।

भारत के उत्पादन सेक्टर को मजबूत करने के लिए नवाचार और दक्षता है जरूरी: पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के इंडियाएज 2025 कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवाचार, गुणवत्ता, डिजाइन, स्थिरता और दक्षता के महत्व पर जोर दिया, जो भारत की विनिर्माण प्रतिस्पर्धा के प्रमुख चालक हैं। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में उन क्षेत्र की पहचान करने की जरूरत पर जोर दिया, जहां घरेलू क्षमता और आपूर्ति श्रृंखला पर ज्यादा नियंत्रण जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि विनिर्माण उत्पादन बढ़ाने के लिए उद्योग का साथ मिलना बहुत जरूरी है कहा कि विनिर्माण में विकास से सेवाओं में विकास और तेज होगी। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार देश की आर्थिक तरक्की में मदद करने के लिए एक साफ विजन के साथ काम कर रही है। उन्होंने खेती, सर्विस और उत्पादन में हाल के विकास के रुझान का जिक्र किया। वाणिज्?य मंत्री ने कहा कि देश का विनिर्माण कि आजकल नवाचार पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, जिससे हम कई उत्पाद श्रेणी में आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

आउटपुट इलेक्ट्रॉनिक्स, व्हाइट गुड्स, केमिकल्स और पेट्रोकेमिकल्स जैसे नए एरिया में विविधता हुआ है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने कारोबार बढ़ाने के लिए उत्पादन में तेजी लाने पर सेशन को संबोधित करते हुए कहा उन्होंने कहा ज्यादा मजबूती बनाने के लिए हमें सप्लाई चेन को अपने नियंत्रण में लेना होगा। गोयल ने कहा कि हमने कृषि, सेवाएं और विनिर्माण में तेज ग्रोथ देखी है, हम लगभग हर क्षेत्र में आगे बढ़े हैं।

तकनीकी खामियों के चलते इंडिगो की 70 से ज्यादा उड़ानें रद्द, यात्रियों को हुई परेशानी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू एयरलाइंस इंडिगो इन दिनों चालक दल (क्रू) की भारी कमी से जूझ रही है। एक दिन पहले कई उड़ानों में देरी के ठीक एक दिन बाद बेंगलुरु और मुंबई हवाई अड्डों सहित 70 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं। एयरलाइन ने इन उड़ानों के रद्द होने के पीछे चालक दल की कमी को मुख्य कारण बताया है। एयरलाइन के प्रवक्ता ने माना कि पिछले दो दिनों से पूरे नेटवर्क में इंडिगो के ऑपरेशन में काफी रुकावट आई है, जिसके लिए ग्राहकों से माफी मांगते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि अचानक आई ऑपरेशनल मुश्किलों, टेक्नोलॉजी में दिक्कतें, सर्दियों के मौसम से जुड़े शेड्यूल में बदलाव, खराब मौसम, एविएशन सिस्टम में भीड़ बढ़ना और अपडेटेड क्रू रोस्टरिंग नियमों (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन) को लागू करने से हमारे ऑपरेशन पर इतना बुरा असर पड़ा कि इसकी उम्मीद करना भी मुमकिन नहीं था। प्रवक्ता ने कहा कि

रुकावट को रोकने और स्थिरता वापस लाने के लिए हमने अपने शेड्यूल में थोड़ा-बहुत बदलाव करना शुरू कर दिया है। ये तरीके अगले 48 घंटों तक लागू रहेंगे और इससे हम अपने ऑपरेशन को नॉर्मल कर पाएंगे और धीरे-धीरे पूरे नेटवर्क में अपनी समय की पाबंदी वापस पा सकेंगे। बयान में कहा गया है कि हमारी टीमें कस्टमर्स की परेशानी को कम करने और ऑपरेशन को जल्द से जल्द स्थिर करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। इसके अलावा ग्राहकों को उन्हें अपनी मंज़िल तक पहुंचाने के लिए दूसरी व्यवस्था कर रहे हैं या रिफंड दिया जा रहा है।

इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा ने डॉलर के मुकाबले 90 रुपये के स्तर को पार किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुद्रा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन रुपये ने डॉलर की तुलना में ऑल टाइम लो का नया रिकॉर्ड बनाया। मुद्रा बाजार के इतिहास में पहली बार भारतीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 90 रुपये के स्तर को पार कर गई। दिन के कारोबार में भारतीय मुद्रा लुढ़क कर 90.29 रुपये प्रति डॉलर के अभी तक सबसे निचले स्तर तक पहुंची। हालांकि, बाद में डॉलर की मांग घटने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 30 पैसे की कमजोरी के साथ 90.18 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगवार को भारतीय मुद्रा 89.88 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 8 पैसे की कमजोरी के साथ 89.96 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार

शुरू होने के बाद रुपये पर लगातार दबाव बढ़ता चला गया, जिसकी वजह से भारतीय मुद्रा 41 पैसे की कमजोरी के साथ अभी तक के सबसे निचले स्तर 90.29 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गई। हालांकि दिन के दूसरे सत्र में डॉलर की मांग में कमी आने पर रुपये की स्थिति में कुछ सुधार हुआ, जिससे इसने 90.18 (अनंतिम) के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।

मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 102.45 पैसे की कमजोरी के साथ 119.76 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 68.61 पैसे की गिरावट के साथ 105.04 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी हलचल और अमेरिका के साथ ट्रेड डील को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक लगातार भारत से अपने पैसे की निकासी करने में लगे हुए हैं। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमत में तेजी आने, स्टॉक मार्केट में बिकवाली का दबाव बनने और बैंकों द्वारा ऊंचे स्तर पर डॉलर की खरीदारी करने की वजह से भी आज लगातार रुपये पर दबाव बना रहा। खुराना के अनुसार शुक्रवार को मौद्रिक नीति का ऐलान होने के बाद रिजर्व बैंक रुपये को सपोर्ट करने के लिए मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ा सकता है। ऐसा होने पर ही रुपये की स्थिति में कुछ सुधार की संभावना बन पाएगी।

मप्र का दूसरा अनुपूरक बजट है मोहन सरकार के विकास-विजन की नई रूपरेखा

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र में पेश किया गया वित्त वर्ष 2025-26 का दूसरा अनुपूरक बजट राज्य की विकास प्राथमिकताओं और राजनीतिक दिशा दोनों का दस्तावेज कहा जा सकता है। कुल 13,476 करोड़ 94 लाख रुपए के इस अनुपूरक प्रावधान में ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, जल संसाधन, बुनियादी ढांचा और उद्योग निवेश को सबसे अधिक महत?व दिया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा के अनुसार यह बजट जनकल्याण और राज्य निर्माण की निरंतर यात्रा का विस्तार है। यह अनुपूरक बजट स्पष्ट संकेत देता दिखा है कि सरकार अपनी प्राथमिकताएं तय कर चुकी है जिसमें गांव, गरीब, महिला, युवा और बुनियादी ढांचा विकासक्रम में सबसे ऊपर हैं। यह दिशा चुनावी राजनीति से इतर एक दीर्घकालिक विकास-ढाँचे की ओर बढ़ते मध्य प्रदेश की तस्वीर भी पेश करती है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लिए 4,000 करोड़ रुपये का प्रावधान यह संकेत देता है कि घर सिर्फ एक सरंचना भर नहीं है, यह ग्रामीण गरीबी उन्मूलन और सामाजिक सुरक्षा का दृढ़ आधार है। यह आवंटन आवासहीन परिवारों को स्थायित्व प्रदान करता है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति देता है क्योंकि निर्माण कार्य स्थानीय श्रम और सामग्री को सक्रिय करते हैं। पंचायत विभाग को 1,633 करोड़ रुपये का अनुदान 15वें वित्त आयोग की अनुशंसाओं के अनुरूप दिया गया है, जिससे ग्रामीण शासन तंत्र की मजबूती और अधोसंरचना विकास को वास्तविक धरातल पर कार्यान्वित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। पंचायतों को वित्तीय रूप से सशक्त करना ग्रामीण विकास की नींव को मजबूत करने वाला सबसे जरूरी कदम है।

सरकार ने सभी पान मसाला पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य प्रदर्शित करना अनिवार्य किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी पान मसाला पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) प्रदर्शित करना अनिवार्य कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) दूसरा (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित कर दिया है। ये नए नियम एक फरवरी, 2026 से प्रभावी होंगे।उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) दूसरा (संशोधन) नियम, 2025 को अधिसूचित किया है। मंत्रालय के मुताबिक सभी साइज और वजन के पान मसाला के पैक पर खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) और लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज) रूल्स, 2011 के तहत

जरूरी सभी दूसरी जानकारी दिखाना अनिवार्य कर दिया गया है, जो एक फरवरी, 2026 से लागू होगा। अधिसूचना के मुताबिक 10 ग्राम या उससे कम के छोटे पैक पर भी खुदरा बिक्री मूल्य प्रिंट करना होगा। इस नियम के तहत सभी पान मसाला पैकेज पर लीगल मेट्रोलॉजी (पैकेज्ड कमोडिटीज़) रूल्स, 2011 के तहत जरूरी हर घोषणा दिखानी होगी। अधिसूचना के मुताबिक रूल 26(डु) के तहत पिछला नियम अब वापस ले लिया गया है, जिसके तहत छोटे पान मसाला पैक पर कुछ खास घोषणा से बचने की इजाजत थी। इसमें पान मसाला के लिए एक नया घोषणा जोड़ा गया है। मंत्रालय के मुताबिक सभी पैकेज पर खुदरा बिक्री मूल्य को जरूरी बनाकर यह बदलाव पान मसाला पर आरएसपी-बेस्ड जीएसटी लेवी को असरदार तरीके से लागू करेगा, जिससे जीएसटी काउंसिल के फैसलों को आसानी से लागू किया जा सके, सही टैक्स आकलन हो सके, जिससे सबसे छोटी यूनिट सहित सभी पैक साइज़ में रेवेन्यू इकट्ठा हो सके।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी की कीमत में कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। सोना आज 570 रुपये प्रति ग्राम से लेकर 630 रुपये प्रति ग्राम तक सस्ता हो गया है। आज के कारोबार में चांदी भी सस्ती हुई है, लेकिन इसकी कीमत में आज सिर्फ 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी नजर आ रही है। सोने की कीमत में कमजोरी आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,29,860 रुपये से लेकर 1,30,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,19,040 रुपये से लेकर 1,19,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,87,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,30,010 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,19,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,19,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,19,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,30,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,19,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नये ऑर्डर, उत्पादन बढ़ने से सेवा क्षेत्र में तेजी

एजेंसी

मुंबई। नये ऑर्डर और उत्पादन वृद्धि की रफ्तार बढ़ने से नवंबर में देश के सेवा क्षेत्र में तेजी रही। एचएसबीसी द्वारा बुधवार को जारी भारत सेवा पीएमआई अक्टूबर के 58.9 प्रतिशत से बढ़कर नवंबर में 59.8 प्रतिशत दर्ज किया गया। सूचकांक का 50 से ऊपर रहना गतिविधियों में वृद्धि को और उससे नीचे रहना गिरावट को दिखाता है। वहीं, 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है। भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि देश के सेवा क्षेत्र की गतिविधियों के सूचकांक में वृद्धि का आधार नये कारोबार में मजबूती रही जिससे उत्पादन बढ़ा है। हालांकि दूसरे देशों से मिली कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण अंतर्राष्ट्रीय बिक्री में वृद्धि की रफ्तार आठ महीने के निचले स्तर पर रही। लागत की मुद्रास्फीति साढ़े पांच साल के निचले स्तर पर रही है जिससे विक्रय मूल्य में नगण्य वृद्धि हुई है।रोजगार की वृद्धि दर अधिकतर कंपनियों में सुस्त रही।रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू स्तर पर नये ऑर्डर में एक महीने पहले के मुकाबले ज्यादा तेजी से वृद्धि हुई जबकि विदेशों से मिले ऑर्डरों की वृद्धि दर कम रही। यह आठ महीने में सबसे कम दर्ज की गयी। कंपनियों ने बताया कि निर्यात में वृद्धि एशियाई और यूरोपीय देशों से आयी है।

लगातार चौथे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों के 2.80 लाख करोड़ डूबे

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरावट का शिकार हो गया। आज शेयर बाजार ने सपाट स्तर पर मिली-जुली शुरुआत की थी। बाजार खुलने के तुरंत बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में थोड़ी तेजी भी आई, लेकिन इन दोनों सूचकांकों ने बिकवाली के दबाव में फंस कर लाल निशान में गोता लगा दिया। पूरे दिन कमजोरी में कारोबार करने के बाद आखिरी घंटे में बाजार ने लिवाली के सपोर्ट से शानदार रिकवरी भी की। इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लाल निशान के दायरे से निकल नहीं सके। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.04 प्रतिशत और निफ्टी 0.18 प्रतिशत टूट कर बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान पीएसयू बैंकों के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इस बिकवाली के कारण निफ्टी का पीएसयू बैंक इंडेक्स 3 प्रतिशत से ज्यादा फिसल गया। इसके अलावा पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, डिफेंस, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी और टेक

इंडेक्स बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 469.66 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 472.46 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.80 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गयाआज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,316 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,484 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,682 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,851 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 861 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,990 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 10 शेयर बढ़त के साथ और 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 12.37 अंक की मामूली तेजी के साथ 85,150.64 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 131.41 अंक की मजबूती के साथ 85,269.68 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने लाल निशान में गोता लगा दिया।

बंगलादेश उच्चतम न्यायालय अंतरिम सरकार के गठन पर सुनाएगा फैसला

एजेंसी

ढाका। बंगलादेश उच्चतम न्यायालय मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के गठन और शपथ-ग्रहण समारोह की वैधता को चुनौती देने वाली विशेष अनुमति याचिका पर अपना फैसला सुनाएगा। मुख्य न्यायाधीश सैयद रिफ़ात अहमद की अध्यक्षता में सात-सदस्यीय अपीलीय प्रभाग पीठ ने आज वकील मुहम्मद मोहसिन रशीद द्वारा दायर याचिका पर दिन भर की सुनवाई समाप्त करने के बाद यह तारीख तय की। जिसके बाद श्री रशीद ने विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। इससे पहले इस साल की शुरुआत में ढाका स्थित उच्च न्यायालय ने इस याचिका को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया गया था कि अंतरिम सरकार का गठन 2024 के 'जुलाई विद्रोह' के बाद 'लोगों के जनादेश' में निहित था, जिससे यह वैध हो गयी थी और इसका गठन उस समय राष्ट्रपति को दिए गए निकाय के अपनी राय के अनुसार किया गया था। उच्च न्यायालय द्वारा याचिका खारिज किए जाने के बाद 25 फरवरी को अपीलीय प्रभाग के समक्ष विशेष अनुमति याचिका दायर करते हुए श्री रशीद ने तर्क दिया गया कि अंतरिम सरकार के गठन के पीछे की प्रक्रिया और इसके शपथ समारोह के लिए न्यायिक जांच की आवश्यकता है। श्री रशीद आज की सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। महान्यायवादी मो. असदुज्जमां और अतिरिक्त महान्यायवादी अनीक आर हक ने सरकार का प्रतिनिधित्व किया, जबकि वरिष्ठ वकील मो. रूहूल कुद्दूस काजल और मोहम्मद शिशिर मनीर याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुये ।

अफगानिस्तान में विकलांगता के साथ जीने को मजबूर 15 लाख लोग : संरा

काबुल। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि अफगानिस्तान में करीब 15 लाख लोग 'बड़ी विकलांगताओं' के साथ जीने को मजबूर हैं, जिनमें से ज्यादातर की हालत 'दशकों के संघर्ष के कारण' हुई हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र के सहायता मिशन (यूनामा) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि लंबे संघर्ष का बड़ा खामियाज़ा बच्चों ने भुगता है। पोस्ट में लिखा गया, 'एक अंदाज़े के मुताबिक, 15 लाख अफ़गान लोग गंभीर विकलांगता के साथ जी रहे हैं, जिनमें से कई दशकों से चल रहे संघर्ष की वजह से हैं। इस बोझ का एक बड़ा हिस्सा बच्चों पर है। इस विकलांगता दिवस पर, हम उनका सम्मान करते हैं और सभी के लिए एक समावेशी और बराबर अफ़गानिस्तान की अपील करते हैं। ' उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान दुनिया के उन देशों में से एक है जहां सबसे ज्यादा बारूदी सुरंगे छिपी हुई हैं। यहां चार दशकों से ज़्यादा समय से चल रहे संघर्ष के बिना फटे बम और बारुदी सुरंग से रोज़ाना बेगुनाह लोग अपनी जान गंवा बैठते हैं और गंभीर रूप से घायल भी हो रहे हैं। पिछले दो हफ्तों में कंधार, उरुज़गान और उत्तरी बल्ख़ प्रांत में युद्ध के बचे हुए विस्फोटों के कारण बच्चों सहित सात लोगों की मौत हो गयी, जबकि नौ लोग घायल हो गये।

ऑस्ट्रेलिया ने कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश नहीं मानने वाली सोशल मीडिया कंपनियों को दी चेतावनी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया की संचार मंत्री अनिका वेल्स ने बुधवार को सोशल मीडिया कंपनियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर वे 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध का पालन करने में विफल रहती हैं तो उन्हें लाखों डॉलर का जुर्माना भरना पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर प्रतिबंध लगाने का आदेश 10 दिसंबर से प्रभावी हो जायेगा और इससे एक सप्ताह पहले अपने भाषण में सुश्री वेल्स ने स्वीकार किया कि कुछ बच्चे नए प्रतिबंधों से बचने का रास्ता खोज लेंगे। इस मामले में कड़ा रूख अपनाते हुए उन्होंने कहा कि जो कंपनियां प्रतिबंध को लागू नहीं करेंगी, वे कानूनी दिशानिर्देशों का उल्लंघन करेंगी और उन्हें 4.95 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (3.259 करोड़ अमेरिकी डॉलर) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा। सुश्री वेल्स ने नेशनल प्रेस क्लब में कहा कि हम जानते हैं कि यह पहले दिन से ही सही नहीं हो सकेगा लेकिन हम हार नहीं मानेंगे और हम इन मीडिया प्लेटफार्मों को छूट नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का अनुमान है कि आठ से 15 वर्ष की आयु के 86 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं।

धोखाधड़ी मामले में हिरासत में ली गयीं ईयू की पूर्व विदेश नीति प्रमुख मोगेरिनी

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ (ईयू) की पूर्व विदेश नीति चीफ़ फेडेरिका मोगेरिनी को बेल्जियम पुलिस ने धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के लिये हिरासत में लिया है। यूरोपीय संघ की पूर्व उच्च प्रतिनिधि सुश्री मोगेरिनी को धोखाधड़ी-विरोधी जांच के तहत एक पुलिस छापेमारी के दौरान हिरासत में लिया गया। इसके बाद पूरे ब्रसेल्स में खलबली मच गयी है। सुश्री मोगेरिनी उन तीन संदिग्धों में से एक हैं जिन्हें मंगलवार सुबह पूछताछ के लिये ले जाया गया। बेल्जियम के अधिकारियों ने यूरोपीय बाहरी कार्रवाई सेवा (ईईएएस) के कार्यालय, ब्रुगेस शहर में कॉलेज ऑफ़ यूरोप और कई निजी घरों की तलाशी ली। उच्च प्रतिनिधि के तौर पर सुश्री मोगेरिनी ने 2014 से 2019 के बीच ब्लॉक की विदेश नीति का नेतृत्व किया। वह सितंबर 2020 से कॉलेज ऑफ़ यूरोप की रेक्टर हैं, जो एक जाना-माना विश्वविद्यालय है और जिसे ईयू से निधि भी मिलती है।

उत्तर कोरिया से माफी मांगना चाहता हूं, लेकिन अभी मुमकिन नहीं :ली जे म्यूंग

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्यूंग ने कहा कि वह पिछली सरकार द्वारा उत्तर कोरिया में सरकार के खिलाफ पर्चे बांटने के लिए ड्रोन भेजने के आरोप पर उत्तर कोरिया से माफी मांगना चाहते हैं, हालांकि मौजूदा घरेलू राजनीतिक माहौल में ऐसा करना मुश्किल है। श्री ली ने यहां चेओंग वा डे में विदेशी संवाददाताओं के साथ विशेष बातचीत में यह बात कही। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह इस कार्रवाई के लिए राज्य स्तर पर माफी जारी करने के बारे में सोच रहे हैं ताकि कोरिया के बीच तनाव कम करने में मदद मिल सके, तो श्री ली ने कहा, 'आप मेरा मन पढ़ रहे हैं। '

उन्होंने कहा, 'एक तरफ, मुझे लगता है कि हमें माफ़ी मांगनी चाहिए, लेकिन दूसरी तरफ, मुझे चिंता है कि (माफ़ी) राजनीतिक और विचारधारा के टकराव का मुद्दा बन सकता है, जहां सरकार को उत्तर

कोरिया का समर्थक कहा जाएगा। ' श्री ली का यह बयान ड्रोन मामले में एक विशेष जांच के बीच आया है। श्री ली से पहले के राष्ट्रपति यून सुक येओल और सेना में उनके कुछ करीबी साथियों ने कथित तौर पर अक्टूबर 2024 में प्योंगयांग में उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग-उन की बुराई करने वाले पर्चे ले जाने वाले ड्रोन तैनात करने का ऑर्डर दिया था, ताकि उत्तर कोरिया को जवाबी कार्रवाई के लिए उकसाया जा सके और इसे मार्शल लॉ लगाने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। श्री ली ने अंतर-कोरियाई संबंधों पर कहा कि ये 'इतने बंद हैं कि एक सुई के बराबर जगह भी नहीं बची है।' उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि बातचीत के रास्ते फिर से खोलने के लिये सियोल के एकतरफ़ा विश्वास-निर्माण उपाय ज़रूरी हो सकते हैं।राष्ट्रपति ने दक्षिण कोरिया-अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर समझौता करने की इच्छा का भी संकेत दिया। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका-उत्तर कोरिया की बातचीत को फिर से शुरू करने के लिये ज़रूरी हुआ तो वह इन सैन्य अभ्यासों को कम करने के लिये भी तैयार हैं। श्री ली ने इस बात पर ज़ोर दिया कि उत्तर कोरिया के फ़ैसले लेने की प्रक्रिया पर अमेरिका का ज़्यादा असर है। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया का नेतृत्व दक्षिण कोरिया के बजाय अमेरिका को ही भरोसेमंद सुरक्षा देने वाला अकेला देश मानती है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद वह बातचीत के लिए अच्छा माहौल बनाते रहना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि कोरियाई प्रायद्वीप का भविष्य बनाने में कोरिया के लिये 'मुख्य पात्र' बने रहने के लिये यह तरीका बहुत ज़रूरी है।

नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के वर्तमान एवं पूर्व महानिदेशक भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार

एजेंसी

काठमांडू। एंटी करप्शन ब्यूरो ने भ्रष्टाचार के एक मामले में नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के वर्तमान निदेशक प्रदीप अधिकारी एवं पूर्व महानिदेशक मुरारी भंडारी को गिरफ्तार कर लिया है। एंटी करप्शन ब्यूरो ने दोनों अधिकारियों को गिरफ्तार किए जाने की पुष्टि की है। ब्यूरो के प्रमुख आयुक्त प्रेम राई ने पत्रकार सम्मेलन कर कहा कि भ्रष्टाचार के एक मामले की जांच में संलिप्तता की पुष्टि के बाद इन दोनों की गिरफ्तारी की गई है। प्रेम राई के अनुसार, अधिकारी और भंडारी को भक्तपुर के नलिन्चोक हेलिकॉप्टर प्रकरण से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपितों को फिलहाल कस्टडी में लेने के लिए विशेष अदालत ले जाया गया है।प्राधिकरण के वर्तमान महानिदेशक प्रदीप अधिकारी के खिलाफ चीन की कंपनी के साथ मिल कर पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा निर्माण में व्यापक अनियमितता किए जाने की भी जांच चल रही है।

संयुक्त राष्ट्र ने मोजाम्बिक में विस्थापित लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर किया आवंटित

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने उत्तरी मोजाम्बिक प्रांत में हिंसा के कारण विस्थापित हुए लोगों के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर आवंटित किया। यह जानकारी मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने गुरुवार को दी।

ओसीएचए ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव एवं आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने नामपुला प्रांत में 1,20,000 विस्थापित लोगों के लिए केंद्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया कोष (सीईआरएफ) से सहायता जारी की है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा कि मंगलवार तक लगभग एक लाख लोग मध्य नवंबर में प्रांत में हिंसा फैलने के बाद से अपने घरों से पलायन कर चुके हैं।

ओसीएचए ने कहा, 'विस्थापित लोगों में से दो तिहाई से अधिक बच्चे हैं जो अब भीड़भाड़ वाले स्कूलों, अस्थायी संरचनाओं, खुले स्थानों या पहले से ही कमजोर

मेजबान परिवारों में आश्रय ले रहे हैं। आश्रय के अलावा उनके पास सुरक्षित जल, संरक्षण, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता सेवाओं तक भी सीमित पहुंच है जबकि कुछ क्षेत्रों में हैजा फैल रहा है। '

कार्यालय ने कहा कि महत्वपूर्ण सहायता का भंडार लगभग समाप्त हो चुका है और सीईआरएफ की धनराशि से एराटी और मेम्बा जिलों में लोगों के लिए जल, स्वच्छता और स्वास्थ्य सहायता, बुनियादी घरेलू सामान, साथ ही आश्रय, सुरक्षा और आजीविका सहायता को प्राथमिकता दी जाएगी। ओसीएचए ने कहा कि मोजाम्बिक के लिए 2025 मानवीय प्रतिक्रिया योजना को वर्ष के अंत तक 28 प्रतिशत से भी कम धनराशि उपलब्ध हो सकी है।

चीनी प्रधानमंत्री ने सामाजिक, आर्थिक विकास के लिए नई शहरीकरण रणनीति लागू करने का किया आग्रह

एजेंसी

बीजिंग। चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने जन-केंद्रित नई शहरीकरण रणनीति को लागू करने, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के एकीकृत विकास में निहित घरेलू मांग को खोलने और आर्थिक एवं सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के प्रयासों का आग्रह किया। ली ने यह टिप्पणी राज्य परिषद के एक सत्र की अध्यक्षता करते हुए की। ली ने कहा कि घरेलू मांग का विस्तार करने, औद्योगिक उन्नयन को बढ़ावा देने और घरेलू खपत को मजबूत करने के लिए नई शहरीकरण रणनीति महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में पूरे देश में इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और 15वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2026-2030) में नए शहरीकरण के विकास के लिए बहुत गुंजाइश है।ली ने कहा कि चीन का शहरीकरण तीव्र विकास के दौर से स्थिर विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनसंख्या संरचना, शहरी व्यवस्था और शहरी एवं ग्रामीण विकास में व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि नए शहरीकरण कार्य की प्रासंगिकता एवं

प्रभावशीलता को और बढ़ाना आवश्यक है।

ली ने नई शहरीकरण योजना को स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल क्रियान्वित करने, लोगों, उद्योग और शहर के लेआउट को और ज्यादा अनुकूल बनाने तथा ग्रामीण प्रवासी आबादी के लिए रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, आवास और बच्चों की शिक्षा जैसी समस्याओं का समाधान करने के लिए अधिक सशक्त एवं लक्षित उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शहरी नवीकरण पहल को लागू करना तथा गुणवत्तापूर्ण घरों के निर्माण और रियल एस्टेट में उच्च-गुणवत्तापूर्ण विकास को तेजी से आगे बढ़ाना भी आवश्यक है। ली ने कहा कि एकीकृत शहरी-ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच अवसंरचना और औद्योगिक संबंध मजबूत करने के प्रयास भी किए जाएंगे।

यूक्रेन की संसद ने 2026 का बजट पास किया, रक्षा पर जीडीपी का एक-तिहाई खर्च करेगी सरकार

एजेंसी

कीव। यूक्रेन की संसद ने वर्ष 2026 का राष्ट्रीय बजट मंज़ूर कर लिया, जिसमें देश की कुल जीडीपी का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रक्षा क्षेत्र पर खर्च किए जाने का प्रावधान है। रूस के साथ युद्ध जारी रहने के बीच यह बजट यूक्रेन की आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

ऊर्जा क्षेत्र में भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच के बाद यूक्रेन राजनीतिक संकट से गुज़र रहा है, ऐसे में बजट पारित होना संसद की एकजुटता की परीक्षा भी माना गया। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा, 'यह यूक्रेन की दृढ़ता और आने वाले वर्ष की जरूरतों के लिए स्थिर वित्तीय प्रावधान सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण संदेश है। हमारी प्राथमिकताएं स्पष्ट हैं- रक्षा, सामाजिक कार्यक्रम और रूसी हमलों के बाद पुनर्निर्माण। '

रक्षा पर भारी आवंटन,

विपक्ष की नाराजगी

257 सांसदों ने बजट को मंजूरी दी, हालांकि विपक्षी सांसदों ने सैनिकों के लिए अधिक वेतन और सामाजिक खर्च में वृद्धि की मांग को लेकर आलोचना की। मतदान के दौरान सदन में 'शेम' के नारे भी लगे। वित्त मंत्री सेरही मार्चेंको ने बताया कि 2026 में कुल जीडीपी का 27.2फीसदी हिस्सा सेना, हथियार निर्माण और खरीद पर खर्च होगा। कूटनीतिक प्रयासों से कोई ठोस नतीजा न निकलने की स्थिति में यूक्रेन अपनी घरेलू हथियार उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर जोर दे रहा है।

मार्चेंको के मुताबिक अगले वर्ष बजट घाटा जीडीपी का 18.5फीसदी रहने का अनुमान है। यूक्रेन को 2026 में 45 अरब डॉलर से अधिक विदेशी वित्तपोषण की आवश्यकता होगी। कीव को उम्मीद है कि उसके यूरोपीय साझेदार जमे हुए रूसी परिसंपत्तियों का उपयोग कर क्षतिपूर्ति ऋण उपलब्ध कराने पर सहमत होंगे। बजट का पारित होना अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ नए ऋण कार्यक्रम के लिए भी महत्वपूर्ण कदम है।सरकार ने 2026 के लिए बड़े आर्थिक ढांचे में वृद्धि का अनुमान लगाया है। राजस्वः 2.92 ट्रिलियन ह्रीव्निया (लगभग 68.9 अरब डॉलर) - यह राशि इस वर्ष की तुलना में 415 अरब ह्रीव्निया ज्यादा है। कुल व्ययः 4.84 ट्रिलियन ह्रीव्निया – यह इस वर्ष से 134.5 अरब ह्रीव्निया अधिक है। अधिकारियों के मुताबिक कुल खर्च का लगभग 60फीसदी रक्षा क्षेत्र के लिए रखा गया है, जिसमें सैनिकों के वेतन, हथियारों की खरीद और सैन्य क्षमताओं को बढ़ाने का प्रावधान शामिल है।

ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के लिए 6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा की

एजेंसी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को यूक्रेन के लिए 9.5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के नए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की, जिसमें रक्षा बल सामग्री एवं उपकरण शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलियाई रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने विदेश मंत्री पेनी वोंग और रक्षा उद्योग मंत्री पैट कॉनरॉय के साथ एक बयान में कहा कि नए पैकेज से यूक्रेन को ऑस्ट्रेलिया की कुल सहायता 1.7 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर से अधिक हो जाएगी।

नई सैन्य सहायता में नाटो की प्राथमिकता प्राप्त यूक्रेन आवश्यकता सूची में 5.0 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान शामिल होगा, जिसके माध्यम से यूक्रेन को महत्वपूर्ण उपकरण, साथ ही 4.3 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल (एडीएफ) सामग्री एवं उपकरण की आपूर्ति की जाएगी। एडीएफ उपकरणों में

सामरिक वायु रक्षा रडार, युद्ध सामग्री और लड़ाकू इंजीनियरिंग उपकरण शामिल होंगे।

ऑस्ट्रेलिया द्वारा ड्रोन क्षमता को बढ़ाने के लिए अतिरिक्त 20 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का योगदान दिया जाएगा, जो यूक्रेन को उन्नत ड्रोन प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है।

नाटो-रूस परिषद का अंत, यूरोप अब रूस के खिलाफ सुरक्षा ढांचे पर केंद्रित

एजेंसी

ब्रसेल्स, 03 दिसम्बर (हि.स.)। पोलैंड के विदेश मंत्री रादोस्वाव सिकॉर्स्की ने ब्रसेल्स में हुई बातचीत के बाद स्पष्ट रूप से कहा कि नाटो-रूस परिषद अब 'अस्तित्व में नहीं रही '। यह परिषद वर्ष 2002 में नाटो और रूस के बीच परामर्श मंच के रूप में बनाई गई थी। सिकॉर्स्की ने कहा कि यह मंच 'उस समय बनाया गया था जब यह संभव लगता था कि यूरोप की सुरक्षा रूस के साथ मिलकर बनाई जा सकती है। लेकिन अब वह समय समाप्त हो गया है, क्योंकि इस दिशा में रुख बदलने के लिए रूस ने खुद यूक्रेन पर आक्रमण जैसे कदम उठाए हैं। 'उन्होंने कहा कि आज 'यूरोपीय सुरक्षा रूस के खिलाफ बनाई जा रही है' और यह बात अब संस्थागत रूप से भी स्वीकार की जा चुकी है।

पुतिन के बयान पर पोलैंड का पलटवार: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीरपुतिन द्वारा हाल में यूरोप को लेकर दिए गए आक्रामक बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिकॉर्स्की ने कहा कि 'रूस उतना मजबूत नहीं है जितना वह खुद को समझता है। ' पुतिन ने तंज करते हुए कहा कि संभव है पुतिन को उनकी वास्तविक स्थिति के बारे में गलत जानकारी दी जा रही हो। उन्होंने कहा कि 'वह हमें धमकाते हैं, लेकिन यह यूरोप को यूक्रेन के समर्थन पर ज्यादा केंद्रित करने में मदद करता है। '

यूक्रेन के लिए यूरोपीय संघ के पुनर्भरण ऋण प्रस्ताव का समर्थन

सिकॉर्स्की ने यूरोपीय संघ के यूक्रेन के लिए प्रस्तावित 'रिपेरेशन लोन' का भी समर्थन किया और कहा कि यह युद्ध की दिशा बदलने वाला कदम साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि 'अगर पुतिन समझते हैं कि यूक्रेन के पास यह धन है और वह अगले दो-तीन वर्षों तक अपना प्रशासन व रक्षा दोनों चला सकता है, तो उसे सोचना पड़ेगा कि क्या वह इतनी लंबी अवधि तक युद्ध जारी रखने की क्षमता रखता है। ' उन्होंने बेल्जियम के प्रधानमंत्री से इस प्रस्ताव पर विरोध हटाने की अपील भी की। सिकॉर्स्की ने कहा, 'यूक्रेन के लिए इन परिसंपत्तियों को अनलॉक करना शांति को तेजी से लाने वाला सबसे बड़ा कारक हो सकता है। हालांकि मैं बेल्जियम की चिंताओं को समझता हूं, मुझे उम्मीद है कि आयोग के प्रस्ताव उन्हें पर्याप्त भरोसा देंगे। '

लेबनान के प्रधानमंत्री ने कहा- इजराइल से शांति होने पर ही संभव आर्थिक सहयोग

एजेंसी

बेयरूत। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने कहा कि यदि लेबनान और इजराइल के बीच स्थायी शांति स्थापित होती है, तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने और आर्थिक सहयोग की दिशा में रास्ता खुल सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा तनावपूर्ण हालात में यह लक्ष्य अभी बहुत दूर है।

प्रधानमंत्री सलाम से इजराइल द्वारा लेबनान के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की इच्छा संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। इस पर उन्होंने कहा, 'आर्थिक वार्ता सामान्यीकरण का हिस्सा होगी, और सामान्यीकरण शांति के बाद ही संभव है। उससे पहले नहीं। हम अभी उस मुकाम से काफी दूर हैं। ' लेबनान और इजराइल दशकों से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी माने जाते रहे हैं। इजराइल ने कई बार दक्षिण लेबनान में सैन्य अभियान चलाए हैं। दोनों पक्षों के बीच 2024 तक लगभग एक साल तक सीमा पर तनाव बना रहा, जिसके बाद नवंबर 2024 में युद्धविराम हुआ। इसके बावजूद इजराइली सेना दक्षिण लेबनान में कई स्थानों पर तैनात है और हिज्बुल्लाह पर 'फिर से हथियार जुटाने और नई कार्रवाई की योजना बनाने' के आरोपों के बीच हवाई हमले भी जारी हैं। सलाम ने कहा कि किसी भी अगले राजनीतिक या आर्थिक कदम पर विचार करने से पहले 2024 के युद्धविराम समझौते को पूरी तरह लागू करना अनिवार्य है। इसमें इजराइल को अपनी सेना वापस बुलानी होगी और हमलों को रोकना होगा, जबकि हिज्बुल्लाह को पूर्ण निरस्त्रीकरण सहित तय प्रतिबद्धताओं का पालन करना होगा। उन्होंने कहा, 'हिज्बुल्लाह को अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरना होगा।' हालांकि हिज्बुल्लाह ने अपने पूरे हथियार भंडार को छोड़ने से इंकार किया है, लेकिन उसने उस युद्धविराम समझौते को स्वीकार किया है, जो केवल राज्य को हथियार रखने का अधिकार देता है। प्रधानमंत्री सलाम के इन बयानों से स्पष्ट है कि क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक सहयोग की संभावनाएं तब तक साकार नहीं होंगी, जब तक दोनों पक्ष युद्धविराम समझौते के प्रावधानों पर पूर्णतया अमल नहीं करते।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कैरिबियाई सागर में नाव पर किये गये दूसरे हमले का किया बचाव

वाशिंगटन। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस साल की शुरुआत में कैरीबियाई सागर में कथित तौर पर मादक पदार्थ ले जा रही एक नाव पर दोबारा किये गये हमले का बचाव किया। द वाशिंगटन पोस्ट अखबार ने शुक्रवार को खबर दी थी कि श्री हेगसेथ ने दो सितंबर को मध्य अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में कथित मादक पदार्थ ले जा रही नाव पर हमले का मौखिक आदेश दिया था। अखबार के अनुसार, रक्षा मंत्री ने 'सभी को मार डालने' का निर्देश दिया था। उनके आदेश के बाद दोबारा किये गये हमले में बचे हुए दो लोग भी मारे गये थे। इस खबर के बाद श्री हेगसेथ को आलोचनाओं और जांच का सामना करना पड़ रहा है। रक्षा मंत्री ने व्हाइट हाउस में मंगलवार को कैबिनेट बैठक के दौरान कहा कि जब दूसरे हमले का आदेश दिया गया और उसे शुरू किया गया, तब उन्होंने पानी में जीवित बचे लोगों को नहीं देखा था। उन्होंने इसे 'फॉग ऑफ वार' कहते हुए अपने फैसले का बचाव किया।श्री हेगसेथ ने यह भी कहा कि वह पहले हमले के बाद मिशन के शेष हिस्से के लिए 'वहाँ नहीं रुके' थे और इस बात पर जोर दिया कि प्रभारी एडमिरल ने अनुवर्ती हमले का आदेश देने में पूर्ण अधिकार का प्रयोग करते हुए 'सही फैसला' लिया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कथित दूसरे हमले के बचे हुए लोगों को देखा था, हेगसेथ ने स्पष्ट किया ।

व्हाइट हाउस का दावा : 2026 फीफा वर्ल्ड कप सबसे सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार होगा

एजेंसी

वाशिंगटन । व्हाइट हाउस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका इतिहास के सबसे बड़े खेल आयोजन की मेजबानी के लिए पूरी तरह से तैयार है। साथ ही दुनिया भर से आने वाले लाखों फैंस के लिए 2026 का फीफा पुरुष वर्ल्ड कप 'सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार' बनाने का वादा किया है। वर्ल्ड कप पर व्हाइट हाउस टास्क फोर्स के कार्यकारी निदेशक एंड्रयू गिउलिआनी ने एक अंतरराष्ट्रीय मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ निर्देश देते हुए कहा, 'यह सुनिश्चित करें कि देश एक सुरक्षित, स्वागत योग्य और यादगार वर्ल्ड कप का आयोजन करे।' 2026 के टूर्नामेंट को 'बहुत बड़े सौभाग्य' का क्षण बताते हुए गिउलिआनी ने कहा कि वर्ल्ड कप अमेरिका की 250वीं स्वतंत्रता वर्षगांठ के साथ भी होगा, जिसमें 4 जुलाई, 2026 को फिलाडेल्फिया में एक मैच निर्धारित है। उन्होंने कहा, 'यह हमें अमेरिका का सबसे अच्छा रूप दिखाने का मौका देता है, जिसमें हमारी मेहमाननवाजी और हमारा इनोवेशन तो है ही, साथ ही ये उस अमेरिकी भावना को भी दिखाता है जिस पर हमें बहुत गर्व है। ' गिउलिआनी ने कहा कि वर्ल्ड कप में '48 देश, 104 मैच... 49 टीम बेस कैंप... और लाखों अंतरराष्ट्रीय मेहमान शामिल होंगे। आर्थिक विकास से पर्यटन, इंफ्रास्ट्रक्चर, स्थानीय व्यवसायों और 11 अमेरिकी मेजबान शहरों को फायदा होगा। यह सच में एकता का एक वैश्विक क्षण है। यह 11 अमेरिकी मेजबान शहरों में पर्यटन, मेहमाननवाजी, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्थानीय व्यवसायों को सपोर्ट करेगा, जो अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छा है। यह सिर्फ एक प्रतियोगिता से कहीं ज्यादा है। यह सच में एकता का एक वैश्विक क्षण है। ' उन्होंने आगे कहा, 'पिछले कई महीनों में, व्हाइट हाउस टास्क फोर्स ने सुरक्षा, परिवहन, खुफिया, मेहमाननवाजी और यात्रा के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है। हमें 5-7 मिलियन अंतरराष्ट्रीय आगंतुकों के आने की उम्मीद है और इसके लिए हमने सभी 11 मेजबान शहरों में संघीय समन्वय टीमें तैनात की हैं। तैयारियों के केंद्र में सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। हम इन गेम्स और इस शानदार वर्ल्ड कप को सुरक्षित और सफल बनाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। सुरक्षा और मेहमाननवाजी एक साथ रह सकते हैं और रहेंगे। ' उन्होंने सुरक्षा के लिए 1 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की फेडरल फंडिंग पर जोर दिया, जिसमें कानून प्रवर्तन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स के लिए 'फीफा वर्ल्ड कप ग्रांट प्रोग्राम के ज़रिए 625 मिलियन डॉलर' और 'गैर-कानूनी ड्रोन से निपटने के लिए 500 मिलियन डॉलर' शामिल हैं। एफबीआई और डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी एक इंटरनेशनल पुलिस कोऑर्डिनेशन सेंटर बना रहे हैं, जबकि नेशनल वेदर सर्विस एडवांस्ड हीट-रिस्क फोरकास्टिंग टूल लगा रही है।

गिउलियानी ने 5-7 मिलियन इंटरनेशनल विजिटर्स की उम्मीद की जा रही भीड़ को मैनेज करने के लिए अमेरिकी ट्रैवल सिस्टम में अपग्रेड के बारे में भी बताया। उपायों में मॉडर्न स्क्रीनिंग लेन, ई-गेट आइडेंटिटी वेरिफिकेशन, वन-स्टॉप इंटरनेशनल कनेक्शन सिक्योरिटी, और एयरलाइंस, एमट्रैक, राइडशेयर फर्मों और शहर के ट्रांजिट सिस्टम के साथ करीबी कोआर्डिनेशन शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्य जोर उन देशों के लिए वीजा वेटिंग टाइम को कम करने पर रहा है जिनसे बड़ी संख्या में फैंस के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'दुनिया भर के 80 प्रतिशत से ज्यादा देशों के फैंस 60 दिनों से भी कम समय में अपने वीजा के लिए अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों में '450 से ज्यादा एक्स्ट्रा स्टाफ' तैनात किए गए हैं।

page 1 and 8_page 1 Mar 25 final ds.qxd 12/4/2025 10:42 PM Page 2

प्लग ट्रे पौध उत्पादन प्रौद्योगिकी

प्लास्टिक लो-टनल

लो-टनल ऐसी संरक्षित संरचनायें है जिन्हें मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारियों के ऊपर फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये कम ऊँचाई पर प्लास्टिक ढंककर बनाया जाता है।

ऐसी संरचना बनाने के लिये पहले क्यारियाँ तैयार की जाती है, तथा उन पर ड्रिप सिंचाई हेतु पाइप फैलाकर उन पर पतले तार के हुप्स इस प्रकार लगाये जाते हैं जिससे हुप्स के दोनों सिरों की दूरी 40 से 60 सें.मी. रहे तथा इनको 1.5 से 2.0 मीटर की दूरी पर लगाया जाता है। हुप्स, तार को मोड़कर भी बनाये जा सकते हैं तथा उन्हें 2.0 से 2.5 मीटर की

लो-टनल ऐसी संरक्षित संरचनायें है जिन्हें मुख्य खेत में फसल की रोपाई के बाद प्रत्येक फसल क्यारियों के ऊपर फसल को कम तापमान से होने वाले नुकसान से बचाने के लिये कम ऊँचाई पर प्लास्टिक ढंककर बनाया जाता है।

दूरी पर थोड़ा सा अधिक ऊँचाई (60 सें.मी.) पर लगाया जाता है। बाद में बेल वाली सब्जियों की तैयार पौधमुख्य खेत में रोपाई करके दोपहर बाद क्यारियों पर प्लास्टिक चढ़ाया जाता है।

प्लास्टिक की मोटाई 20-30 माइक्रोन होनी चाहिए तथा लो-टनल बनाने के लिए हमेशा पारदर्शी प्लास्टिक का ही प्रयोग करें। यदि रात को तापमान 5.0 डिग्री से. से कम है तो 7 से 10 दिन तक प्लास्टिक में छेद करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उसके बाद प्लास्टिक में पूर्व दिशा की ओर चोटी से नीचे की ओर छोटे-2 छेद कर दिये जाते हैं तथा जैसे-2 तापमान बढ़ता है इन छेदों का आकार भी बढ़ाया जाता है। पहले छेद 2.0 से 3.0 मीटर की दूरीपर बनाये जाते हैं, बाद में इन्हें 1.0 मीटर की दूरी पर बना दिया जाता है ।

इस प्रकार पूरी प्लास्टिक को आवश्यकतानुसार तथा तापमान को ध्यान में रखते हुए फरवरी के अन्त या मार्च के प्रथम सप्ताह में फसल के ऊपर से पूर्ण रुप से हटा दिया जाता है। इस समय तक फसल काफी बढ़ चुकी होती है तथा उससे फल स्थापन प्रारम्भ हो चुका होता है। इस प्रकार की संरक्षित संरचनाओं में मुख्यत: खरबूजा, चप्पन कद्दू, खीरा, तरबूज, करैला, टिण्डा, लौकी व अन्य कद्दूवर्गीय सब्जियों को मुख्य मौसम से 30 से 60 दिन पहले उगाया जा सकता है। चप्पन कद्दू जैसी फसल की रोपाई तो दिसम्बर व जनवरी माह में तथा खरबूजे की फसल को जनवरी के अन्त या फरवरी के प्रथम सप्ताह में लगातार 30 से 60 दिन तक अंगेती उगाया जाता है। इस प्रकार इन फसलों के बाजार से अधिक भाव लेकर अधिक लाभ कमाया जा सकता है। टनल बनाने से पौधों के आसपास का सूक्ष्म वातावरण काफी बदल जाता है तथा दिन के समय जब अच्छी प्रकार से धूप निकलती हों तो टनल के अन्दर का तापमान 10 से 12 डिग्री बढ़ जाता है जिससे कम तापमान होते हुए भी इन फसलों की बढ़वार तेजी से होती है तथा रात के समय टनल में पौधों का पाले से बचाव भी होता है। यह तकनीक उत्तर भारत के मैदानी खासकर शहरों के चारों ओर रहने वाले किसानों के लिये बड़ी लाभप्रद व उपयोगी है, लेकिन इस तकनीक को अपनाने से पूर्व किसानों को इन बेल वाली सब्जियों की पौध को भी संरक्षित संरचनाओं में ही तैयार करना होगा।

इस प्रकार के पौध उत्पादन को शहरी क्षेत्रों में लघु उद्योग के रुप में अपनाया जा सकता है। इस विधि द्वारा विभिन्न सब्जियों की पौध दो प्रकार की प्लास्टिक प्रो-ट्रे में तैयार की जाती है। एक प्रो-ट्रे में छेदों का आकार 1.0 से 1.5 वर्ग इंच होना चाहिए। इसमें शिमला मिर्च, फूलगोभी, पत्तागोभी, गांठगोभी, ब्रोकली, मिर्च सलाद व टी.पी.एस. आलु आदि की पौध तैयार की जा सकती है। दूसरी प्रो-ट्रे में छेदों का आकार 1.5 से 2.0 वर्ग इंच होना चाहिए। इसमें टमाटर, बैगन, खीरा, खरबूजा, तरबूज, लौकी, तोरई चप्पन कद्दू आदि सब्जियों की पौध तैयार की जा सकती है। आजकल भारतीय बाजारों में 98 छेदों वाली प्लास्टिक ट्रे आसानी से मिल रही है जिनका उपयोग पौध उगाने में किया जा सकता है। अब इन प्रो-ट्रेज में परलाइट, वर्गीकुलाइट व कोकोपीट का 1:1:3 अनुपात का मिश्रक तैयार करके उसका उपयोग भू-रहित माध्यम के रुप में किया जा सकता है। आमतौर पर इन तीनों माध्यम पूर्णतया रोगाणुरहित होते हैं। अब ट्रेज के प्रत्येक छेद में एक बीज बोया जाता है तथा बाद में बीज के ऊपर वर्गीकुलाइटकी एक पतली परत डाली जाती है तथा सर्दी के मौसम में प्रत्येक ट्रे को अंकुरण के लिए ऐसे कमरे में रखा जा सकता है जहाँ का तापमान लगभग 24 से 25ह से. हो, ताकि बीजों का अंकुरण जल्दी व ठीक प्रकार से हो सके ।

अंकुरण के बाद सभी ट्रे ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में बने प्लेटफार्म या फर्द्रा पर फैलाई जा सकती है या फिर ईंटों द्वारा बने फर्द्रा पर उनको फैला कर रख दिया जाता है। उपरोक्त माध्यम में से कोकोपीट को नारियल के कवच के ऊपर उपस्थित रेशों से बनाया जाता है तथा यह जड़ों की बढ़वार के लिए माध्यम के रुप में कार्य करता है। परलाइट वोल्कैनिक उत्पत्ति की चट्टानों से निकले पदार्थ को अत्यधिक तापक्रम (980 ह से.) पर गर्म करके तैयार किया जाता है। यह माध्यम भी जल निकास व माध्यमों के मिश्रक के बीच उचित हवा उपलब्ध कराने में सहायता करता है। यह सफेद रंग का बहुत हल्का माध्यम है जिसका एक भाग माध्यम मिश्रक में मिलाया जाता है।

सर्दी में पौध तैयार करते समय ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में रात को हीटर का प्रयोग किया जा सकता है तथा यह हीटर रात को तब चलाया जा सकता है जब तापमान 13 या 14 ह से. कम होता है। सर्दी में पौध की प्रारम्भिक अवस्थाप में 70 पी.पी.एम. (10 लाख भाग में से 70 भाग) घोल जिसमें नत्रजन, फास्फोरस व पोटाश को 1X1X1 अनुपात में मिलाकर बनाया जाता है तथा बाद में यह मात्रा 140 पी.पी.एम. प्रति सप्ताह तथा कभी-कभी 200 पी.पी.एम. मात्रा के घोल तक बढ़ा दी जाती है। खाद व पानी को एक विशेष प्रकार की बूम प्रणाली या फव्वारा पद्धति द्वारा दिया सकता है जिससे खद व पानी एक समान मात्रा में सभी ट्रे में जा सके तथा पौध की बढ़वार व गुणवत्ता एक समान रहे। गर्मी में बीज बोने के बाद ट्रेज को अंकुरण कमरे में रखने की आवशकता नहीं रहती है तथा खाद 70 पी.पी.एम. की मात्रा में दी जाती है। पौध पर एक बार विशेष प्रकार के वृद्धि नियामक घोल का छिड़काव भी किया जाना चाहिए। इसका छिड़काव तभी किया जाता है जब दिन का तापमान 20 से 30 डिग्री से. के बीच हो। खाद के प्रयोग हेतु फुहारानुमा बूम प्रणाली या फिर सामान्य फुहारे का प्रयोग किया जा सकता है। इसके जरिये समस्त खाद व घोल समय-समय पर पौध को दिये जाते हैं। इस प्रकार इस तकनीक द्वारा सर्दी के मौसम में पौध तैयार होने में 28 से 30 दिन लगते हैं। तैयार पौध को माध्यम सहित निकालकर मुख्य खेत में रोपाई की जाती है। माध्यम के चारों ओर जड़ों का जाल फैला रहता है जो पौध की ओज व गुणवत्ता को दशाार्ता है। पौध को दूर स्थान तक भेजने के लिए माध्यम सहित पैक करके ले जाया जा सकता है। यदि कद्दूवर्गीय फसलों की पौध गर्मी के मौसम में तैयार की जाती है तो इसमें कुल 12 से 15 दिन का समय लगता है। इस तकनीक द्वारा पौध तैयार करने में पौध में जड़ों का विकास बहुत अच्छा व अधिक होता है।

अंकुरण के बाद सभी ट्रे ग्रीनहाउस या अन्य संरक्षित क्षेत्र में बने प्लेटफार्म या फर्द्रा पर फैलाई जा सकती है या फिर ईंटों द्वारा बने फर्द्रा पर उनको फैला कर रख दिया जाता है। उपरोक्त माध्यम में से कोकोपीट को नारियल के कवच के ऊपर उपस्थित रेशों से बनाया जाता है तथा यह जड़ों की बढ़वार के लिए माध्यम के रुप में कार्य करता है। परलाइट वोल्कैनिक उत्पत्ति की चट्टानों से निकले पदार्थ को अत्यधिक तापक्रम (980 ह से.) पर गर्म करके तैयार किया जाता है। यह माध्यम भी जल निकास व माध्यमों के मिश्रक के बीच उचित हवा उपलब्ध कराने में सहायता करता है।

आधुनिक संरक्षित खेती तकनीक द्वारा पौध तैयार करने के लाभ

1. इस प्रकार पौध को कम समय में तैयार किया जा सकता है तथा खासकर सर्दी के मौसम में जहाँ बाहर खुले वातावरण में क्यारियों में टमाटर जैसी फसल की पौध तैयार करने में 50 से 60 दिन लगते हैं। इस तकनीक द्वारा केवल 28 से 30 दिन में नहीं लगता है। स्वस्थ व उच्च गुणवत्ता वाली पौध तैयार हो जाती हैं।

2. बीज की मात्रा को भी काफी कम किया जा सकतर है क्योंकि इस विधि द्वारा प्रत्येक बीज को अलग-अलग छेदों में बोया जाता है जिससे प्रत्येक बीज स्वस्थ पौध देता है।

3. पौध को समस्त प्रकार के भू-जनित रोगों व कीटाणुओं से बचाया जा सकता है तथा सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पौध को विषाणु रोगों के प्रकोप से बचाया जा सकता है।

4. जब पौध बाहर क्यारियों में तैयार की जाती है तो पौध को उखाड़ते समय जड़ आदि टूटने से पौधों की मरण क्षमता लगभग 10 से 15 प्रतिशत रहती है। लेकिन इस तकनीक द्वारा तैयार पौध में एक भी पौध के मरने की संभावना नहीं रहती है। इससे पौध को रोपक झटका भी

5. पौध मे जड़ें अधिक विकसित व लम्बी होती है जिसके कारण पौध अधिक व उच्च ओज वाली होती है 7

6. इस प्रकार तैयार पौध मुख्य खेत में रोपाई के बाद बहुत कम समय में स्थापित हो जाती है जब कि बाहर तैयार की गयी पौध को मुख्य खेत में स्थापित होने में कई दिन लग जाते हैं।

7. इस प्रकार संरक्षित पौध तैयार करने की तकनीक द्वारा किसी भी सब्जी फसल की पौध को कभी भी तैयार किया जा सकता है। खसकर मौसम से पहले फसल उगाने हेतु ताकि बेमौसमी सब्जी उत्पादन द्वारा अधिक लाभ कमाया जा सके। कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध को भी इस विधि द्वारा बड़ी सरलतापूर्वक तैयार किया जाता है जो पहले भूमि में क्यारियों में सम्भव नहीं होता था।

सौंफ का पौधा लगाने के कई फायदे

आप अपने घर पर बीज से सौंफ का पौधा गमले में आसानी से लगा सकते हैं, किचिन गार्डन में सौंफ का पौधा लगाने के कई फायदे हो सकते हैं, जो खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए किचिन में उपयोग किया जाता है, इस लेख में हम आपको सौंफ उगाने की विधि के बारे में जानकारी देंगे। सौंफ क्या है, घर पर सौंफ का पौधा कब लगाना चाहिए, बीज से सौंफ कैसे लगाएं, पौधा लगाने की विधि तथा इसकी देखभाल के तरीके इत्यादि जानने के लिए आर्टिकल को पूरा पढ़ें।

सौंफ का वानस्पतिक नाम फोनीकुलम वल्गारे (Foeniculum Vulgare) है। सौंफ को मीठी सौंफ या फेनेल नाम से भी जाना जाता है, यह एक हर्ब प्लांट है जिसकी उंचाई 4-6 फीट तक होती है। सौंफ के बल्ब (कंद) को सब्जी के रूप में तथा इसकी पत्तियों व बीज के समान फलों को खाने में स्वाद बढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है, आमतौर पर सौंफ की 2 किस्में होती हैं जो हैं-

फ्लोरेंस सौंफ - खाने योग्य कंद (बल्ब) के लिए उपयोगी।

हर्ब सौंफ - पत्तियों व बीज (सौंफ) के लिए उपयोगी।

सौंफ का पौधा कब लगाया जाता है

सौंफ का पौधा वातावरण में 15 -25 के आसपास तापमान होने पर अच्छी तरह ग्रो करता है, इसीलिए अपने क्षेत्र का वातावरण अनुकूल होने पर आप इसे किसी भी समय लगा सकते हैं। सौंफ का पौधा लगाने का बेस्ट समय (सौंफ बोने का समय) फरवरी-मार्च का महीना होता है, जब पूरी तरह ठण्ड का समय निकल जाता है।

गार्डन में सौंफ का पौधा कहां लगाएं -

सौंफ 15 - 25 के बीच के तापमान तथा पूर्ण सूर्य प्रकाश में अच्छी तरह ग्रोथ करते हैं इससे कम या ज्यादा तापमान होने पर पौधों की वृद्धि रुक सकती है इसीलिए आस-पास का वातावरण सौंफ उगाने के अनुकूल होने पर आप गार्डन की मिट्टी में सौंफ के बीज लगा सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें गमले की मिट्टी में सौंफ उगाने के लिए ऐसे स्थान का चयन करें जहाँ कम से कम पौधों को 6 घंटे की धूप प्राप्त हो सके।

गमले में सौंफ लगाने के लिए मिट्टी कैसे तैयार करें

सौंफ के पौधे अच्छी तरह से सूखी, जल निकास वाली तथा पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में बेहतर विकास करते हैं, इसीलिए आप इसे गमले में लगाने के लिए पॉटिंग सॉइल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आप सौंफ के पौधे को गार्डन की मिट्टी में लगाने का विचार बना रहे हैं तो इसे लगाने से पहले मिट्टी को तैयार कर लें। मिट्टी तैयार करने के लिए गार्डन की 60% मिट्टी में 40 न कोकोपीट, कम्पोस्ट खाद और रेत मिलाएं।

नोट - मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए आप इसमें पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, नीम की खली इत्यादि जैविक खाद मिला सकते हैं।

गमले में सौंफ का पौधा कैसे लगाएं -

सौंफ के पौधे को बीज से, बल्ब से या विभाजन इत्यादि कई तरीके से लगाया जा सकता है , लेकिन विभाजन से सौंफ का पौधा लगाना बेहद मुश्किल काम है, हो सकता है यह आपको बेहतर परिणाम भी न दे पाए, जिससे आपका समय भी बर्बाद हो सकता है क्योंकि सौंफ एक गहरी जड़ वाला पौधा है जो जड़ में किसी भी प्रकार की छेड़-छाड़ पसंद नहीं करता। आप सौंफ का पौधा बीज से या इसके बल्ब (कंद) से भी उगा सकते हैं, सौंफ को इन विधि से उगाना काफी आसान भी होता है, आज हम आपको सौंफ का पौधा उगाने के दो तरीकों के बारे में बताएँगे।

आइये जानते हैं सौंफ (फेनल) के पौधों को बीज और कंद की कटिंग से लगाने के तरीके के बारे में

घर पर गमले में सौंफ के बीज कैसे उगाएं - गमले में सौंफ के बीज लगाने और सफलतापूर्वक उगाने के लिए आप निम्न टिप्स अपना सकते हैं

सौंफ के पौधे की गहरी जड़ होने के कारण, इसे उगाने के लिए कम से कम 12 इंच गहराई वाला गमले या ग्रो बैग का चयन करें।

सौंफ के बीज लगाने के लिए उचित जल निकासी वाले गमले ही चुनें।

गमले में जैविक खाद युक्त सूखी मिट्टी या पॉटिंग मिक्स भरें।

ध्यान रखें कि गमला ऊपर से 2-3 इंच खाली रहे।

अब गमले की मिट्टी में सौंफ के बीज का छिड़काव करें।

सौंफ के बीज बोने के बाद मिट्टी की धूल की हल्की पतली परत से बीजों को ढक दें तथा वाटरिंग केन से अच्छी तरह पानी दें।

बीज लगे हुए गमले की मिट्टी को हमेशा नम रखें, पौधों को अतिरिक्त पानी देने से बचें।

सौंफ के बीज लगे हुए गमले को घर के अन्दर या गार्डन में उचित जगह पर रखें।

बीज लगाने के लगभग 10-15 दिन के अन्दर सौंफ के बीज अंकुरित हो जाते हैं।

सौंफ के बल्ब कैसे लगाएं -

अगर आपके पास सौंफ के बल्ब या कंद उपलब्ध हो सकते हैं तो इन्हें उगाना सबसे आसान होता है। शुरुआत में सौंफ के बल्ब को आप पानी के किसी बर्तन या जार में उगाना प्रारंभ करें, उसके बाद जब आपके द्वारा लगाए हुए बल्ब में जड़ें विकसित हो जाए तब आप इन्हें गार्डन की मिट्टी में या अन्य किसी स्थान पर गमले में बड़ी ही आसानी से लगा सकते हैं। बल्ब से सौंफ उगाने के लिए आप निम्न विधि (हाइड्रोपोनिक्स विधि) अपना सकते हैं-

एक उथला जार या बर्तन चुनें जिसमें आप सौंफ के कंद (बल्ब) विकसित करना चाहते हैं।

अब फ्लोरेंस सौंफ के बल्ब को बर्तन में रखें।

बर्तन में इतना पानी डालें की कंद आधा डूब जाये।

इस बर्तन को थोड़ी धूप वाले स्थान पर रखें।

कुछ दिनों में बर्तन का पानी बदलते रहें।

ऐसा करने पर कुछ ही दिनों में बल्ब में नई जड़ें विकसित हो जाएंगी।

अब आप इस जड़ वाले बल्ब को गमलें में लगा सकते हैं।

सावधानी पूर्वक बल्बों को गमले में रोपें ताकि जड़ों को कोई नुकसान न हो।

अपने रोपित किये हुए फ्लोरेंस सौंफ के बल्बों की उचित देखभाल करें।

अब आप जान ही चुके होंगे की सौंफ के पौधे को बीज या कंद (बल्ब) से उगाना वास्तव में आसान है। आइये जानते हैं सौंफ प्लांट की देखभाल कैसे करें।

सौंफ के पौधे की देखभाल कैसे करें

सौंफ का पौधा लगाने के बाद सही रखरखाव न होने के कारण अक्सर सौंफ के पौधे में कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिनसे बचने के लिए आपको पौधों की उचित देखभाल करने की आवश्यकता होती है, आप अपने घर पर लगे सौंफ के पौधों की देखभाल निम्न तरीके से कर सकते हैं

यदि आप घर पर उगाये गए सौंफ के पौधे की अच्छी ग्रोथ को लेकर चिंतित है तथा जानना चाहते हैं कि सौंफ के पौधे को कितना पानी देना चाहिए? तो हम आपको बता दें कि सौंफ के पौधे समान रूप से नमी की स्थिति में उगना पसंद करते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि मिट्टी में जलभराव नहीं होना चाहिए, क्योंकि अत्याधिक पानी से पौधों की जड़ें सड़ सकती हैं।

सौंफ के पौधों को आवश्यकता अनुसार पानी देना चाहिए, जब पौधे बड़े हो जाए तब आप हफ्ते में 1 बार गहराई से सौंफ के पौधों को पानी दे सकते हैं तथा अत्याधिक गर्मी या शुष्क मौसम में थोड़ा अधिक पानी देना चाहिए तथा मिट्टी को सूखने भी न दें। सौंफ का पौधा पूर्ण सूर्यप्रकाश में उगना पसंद करता है, इसीलिए सौंफ के युवा पौधे लगे हुए गमले को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए, जहाँ उसे रोजाना 6 घंटे की धूप मिल सके, लेकिन अत्याधिक तेज धूप पड़ने पर पौधों को किसी आंशिक छाया वाले स्थान पर रखें।

अगर आपने सौंफ के पौधे लगाते समय मिट्टी में अच्छी तरह पोषक तत्वों से युक्त जैविक खाद मिलायी थी तब आपको इसमें अधिक बार खाद देने की आवश्यकता नहीं होती, बढ़ती हुई सौंफ के पौधे को आप हर महीने जैविक खाद (जैसे गोबर खाद, मस्टर्ड केक, वर्मीकम्पोस्ट इत्यादि) दे सकते हैं।

आमतौर पर एफिड्स और सफ़ेद मक्खी (वाइटफ्लाई) जैसे कीड़े आपके सौंफ के पौधे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इनसे अपने पौधों को बचाने के लिए आप जैविक कीटनाशक के रूप में पेस्टीसाइड साबुन या नीम तेल के घोल का छिड़काव कर सकते हैं। अब आप जान ही चुके होंगे कि घर पर सौंफ (फेनेल) का पौधा लगाना कितना आसान है तो आज ही बीज या बल्ब (कंद) से अपने घर पर सौंफ का पौधा लगाएं। गमले में बीज या कंद से सौंफ के पौधे लगाने के लिए तथा सौंफ के पौधे की कीटों से सुरक्षा संबंधी देखभाल टिप्स फॉलो करें।

सौंफ के पौधे अच्छी तरह से सूखी, जल निकास वाली तथा पोषक तत्वों से भरपूर मिट्टी में बेहतर विकास करते हैं, इसीलिए आप इसे गमले में लगाने के लिए पॉटिंग सॉइल का उपयोग कर सकते हैं। अगर आप सौंफ के पौधे को गार्डन की मिट्टी में लगाने का विचार बना रहे हैं तो इसे लगाने से पहले मिट्टी को तैयार कर लें। मिट्टी तैयार करने के लिए गार्डन की 60% मिट्टी में 40 % कोकोपीट, कम्पोस्ट खाद और रेत मिलाएं।

नोट - मिट्टी को उपजाऊ बनाने के लिए आप इसमें पुरानी सड़ी हुई गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, नीम की खली इत्यादि जैविक खाद मिला सकते हैं।

सौंफ की खेती के लिए अच्छी जल निकास वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। इसकी बुवाई का सर्वोत्तम समय मैदानी इलाकों के लिए अक्टूबर-नवंबर है। बुवाई से पहले खेत की अच्छी तरह जुताई करें और उसमें गोबर खाद के साथ यूरिया और सुपर फास्फेट जैसी खाद मिलाएं।